



SANDIPANI
ACADEMY

सूचना

दिनांक- 10/01/2024

सांदीपनी एकेडमी पेण्ड्री (मस्तूरी) जिला - बिलासपुर (छ.ग.) शिक्षा विभाग के समस्त शिक्षकगणों एवं प्रशिक्षार्थियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 15/01/2024 से 23/01/2024 तक, समय - 10:00 am को **"Value Added Course, Topic - The Elements of Classical and Folk Music"** व्याख्यान एवं प्रायोगिक का आयोजन किया जाना है जिसमें आप सभी को अनिवार्य रूप से उपस्थित हों।

जिसके मुख्य प्रवक्ता **Mrs. Urvashi Mishra** And **Mr. Shriprakash Tiwari**, Topic - **The Elements of Classical and Folk Music** के द्वारा व्याख्यान दिया जायेगा।

R. Singh
10/01/2024

प्राचार्य

डॉ. रीता सिंह

सांदीपनी एकेडमी

पेण्ड्री (मस्तूरी) जिला - बिलासपुर (छ.ग.)

Principal
Department of Education
Sandipani Academy
Pendri (Masturi) Bilaspur (C.G.)



SANDIPANI
ACADEMY

Pendri(Masturi),Bilaspur-Shivrinarayan Road
District - Bilaspur - 495 551 (C.G.)
Mobile : +91 9755152052
Website : www.sandipanigroup.org
Email : sandipanieducation.masturi@gmail.com

SA(M)B/Edu./2024/Jan./ 629

Date- 12/01/2024

Invitation!

To,

Pt. ShriPrakash Tiwari
Asst. Professor & HOD,
Performing & Fine Arts Department and Raigarh Kathak Center,
Dr. C.V. Raman University Kargiroad Kota,
Bilaspur (Chhattisgarh)

Subject: Invitation letter to invite you as the Teacher for Value Added Course "Elements of Classical And Folk Music".

Respected Sir,

We are pleased to inform you that Sandipani Academy Pendri (Masturi), Bilaspur (C.G.) is an eminent Institution has been working in Educational Field since 2016, is going to Organize Value Added Course **"Elements of Classical And Folk Music"** We are Honored to have you as the **Expert Teacher** of the value added course **Elements of Classical And Folk Music**, which is being scheduled on **16 Jan. 2024 at 10:00 am from 03:50 pm.**

The purpose of the **Value Added Course "Elements of Classical And Folk Music"** is to Develop Skill (Classical & Folk Music). in specific reference to Skill enhancement.

We will be grateful to you, if you could accept our Invitation for The Value Added Course and request you to grace the Occasion. We are looking forward to your kind Approval. Of computational thinking, encompasses a wide range to Topics, from different type of Classical And Folk Music in Skills.

Thanks and Regards,

[Signature]
16/01/2024

12/01/2024
Principal
Dr. Rita Singh
Sandipani Academy
Pendri (Masturi), Bilaspur (C.G.)
Principal
Department of Education
Sandipani Academy
Pendri (Masturi) Bilaspur (C.G.)



SANDIPANI
ACADEMY

Pendri(Masturi),Bilaspur-Shivrinarayan Road
District - Bilaspur - 495 551 (C.G.)
Mobile : +91 9755152052
Website : www.sandipanigroup.org
Email : sandipanieducation.masturi@gmail.com

SA(M)B/Edu./2024/Jan./630

Date- 12/01/2024

Invitation!

To,

Mrs. Urvashi Mishra,
Asst. Professor,
Classical Music,
Pt. Sundar Lal Sharma Open University,
Koni, Bilaspur (Chhattisgarh)

Subject: Invitation letter to invite you as the Teacher for Value Added Course "Elements of Classical And Folk Music".

Respected Sir,

We are pleased to inform you that Sandipani Academy Pendri (Masturi), Bilaspur (C.G.) is an eminent Institution has been working in Educational Field since 2016, is going to Organize Value Added Course **"Elements of Classical And Folk Music"** We are Honored to have you as the **Expert Teacher** of the value added course **Elements of Classical And Folk Music**, which is being scheduled on **17 Jan. 2024 at 10:00 am from 03:50 pm.**

The purpose of the **Value Added Course "Elements of Classical And Folk Music"** is to Develop Skill (Classical & Folk Music). in specific reference to Skill enhancement.

We will be grateful to you, if you could accept our Invitation for The Value Added Course and request you to grace the Occasion. We are looking forward to your kind Approval. Of computational thinking, encompasses a wide range to Topics, from different type of Classical And Folk Music in Skills.

Thanks and Regards,

R-Singh
12/01/2024

Principal

Dr. Rita Singh

Sandipani Academy

Pendri (Masturi),Bilaspur (C.G.)

Principal

Department of Education

Sandipani Academy

Pendri (Masturi) Bilaspur (C.G.)

22-1-24

SANDIPANI ACADEMY
PENDRI (MASTURI) BILASPUR (C.G.)
SESSION 2023-24 TIME TABLE

B. Ed - 1st & 2nd year (UNIT -1 & 2)

Month - January

Prayer:- 09:30 am -9:50 am

Lunch :- 1:10 pm to 1:50 pm

DAYS/ DATE	9:50 - 10:30am	10:30 - 11:10am	11:10 - 11:50pm	11:50 - 12:30pm	12:30 - 01:10pm	01:50 - 02:30pm	02:30 - 03:10pm	03:10 - 03:50pm
15/01/24 Saturday	Value Added Course (Element of Classical And Folk Music) (Mrs. Suchitra Dey)			Value Added Course (Element of Classical And Folk Music) (Mrs. Suchitra Dey)		Value Added Course (Element of Classical And Folk Music) (Mrs. Suchitra Dey)		
16/01/24 Monday	Value Added Course (Element of Classical And Folk Music) Theory (Mr. ShriPrakash Tiwari)			Value Added Course (Element of Classical And Folk Music) Practical (Mr. ShriPrakash Tiwari)		Value Added Course (Element of Classical And Folk Music) Practical (Mr. ShriPrakash Tiwari)		Test -1
17/01/24 Tuesday	Value Added Course (Element of Classical And Folk Music) Theory (Mrs. Urvashi Mishra)			Value Added Course (Element of Classical And Folk Music) Practical (Mrs. Urvashi Mishra)		Value Added Course (Element of Classical And Folk Music) Practical (Mrs. Urvashi Mishra)		Test -2
18/01/24 Wednesday	Value Added Course (Element of Classical And Folk Music) (Mrs. Suchitra Dey)			Value Added Course (Element of Classical And Folk Music) (Mrs. Urvashi Mishra)		Value Added Course (Element of Classical And Folk Music) (Mrs. Urvashi Mishra)		Test -3
19/01/24 Friday	Closing Ceremony Of Value Added Course			Value Added Course (Element of Classical And Folk Music) (Mrs. Suchitra Dey)		Final Test of Value Added Course (Element of Classical And Folk Music)		
22/01/24 Monday	TIME - 02:00 PM TO 03:30 PM - Distribution of Value Added Course Certificate							

HOD

PRINCIPAL

संगीत संकाय पाठ्यक्रम शास्त्रीय संगीत शास्त्र

1. संगीत की परिभाषा एवं सामान्य परिचय
2. स्वर (शुद्ध विकृत) सप्तक (मंद्र, मध्यम, तार) थाट वर्ण अलंकार (पल्टा) आरोह, अवरोह पकड़ व राग की परिभाषा।
3. सरल अलंकारों का लेखन।
4. त्रिताल, कहरवा, दादरा, झपताल, चौताल, एकताल तालों का परिचय एवं लेखन।
5. शास्त्रीय संगीत गायन के लिए राग यमन भूपाली, भैरवी, भैरव, राग दुर्गा, आसावरी।
6. मिश्र गायन के लिए तुमरी गजल, सुफी गीत, छत्तीसगढ़ी गीत।
7. रामचरित मानस गायन के साथ साथ गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित विनय पत्रिका, गीतावली, दोहावली।
8. भक्ति कालीन एवं सूफी गायकों से संबंधित भजन, कबीर दास, मीराबाई, सूरदास, रसखान, रैदास की रचना।
9. सुगम संगीत, विभिन्न प्रकार के ताल, लय, मात्रा के साथ।

प्रायोगिक

1. राग भूपाली कल्याण घाटो में दस स अलंकारों का अभ्यास।
2. पाठ्यक्रम के रागों में स्वरमालिका, लक्षणगीत।
3. पाठ्यक्रम के रागों में मध्यलय की एक रचना।
4. राष्ट्रगान, जनगणमन, राष्ट्रीय गीत, वंदेमातरम्, राज्यगीत अरपा पैरी के धार (धुन का प्रदर्शन) तालों का ताली देकर (तीन ताल, एकताल, कहस्था) आदि का प्रदर्शन।



ॐ सरस्वत्यै नमः

शारदा शरदां भोज, वदना वदनांभुजे ।
सर्वदा सर्वदस्माकम्, सन्निधिं सन्निधिं क्रियात् ॥

मूल वर्धित पाठ्यक्रम में "शास्त्रीय संगीत एवं लोक
संगीत के तत्त्व" विषय पर परिचर्चा

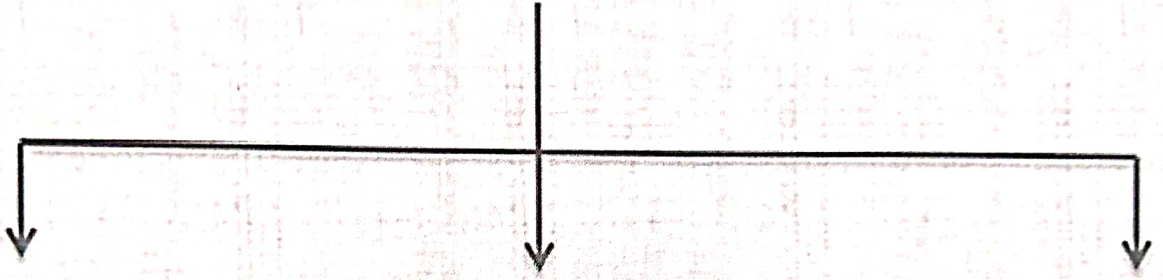
आयोजक :- शिक्षण विभाग, संदीपनी अकादमी, पेंड्री बिलासपुर (छ. ग.)

अतिथि वक्ता
पं. श्रीप्रकाश तिवारी

सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष
ललित कला विभाग एवं रायगढ़ कथक केन्द्र
डॉ. सी.व्ही. रमन् विश्वविद्यालय करगीरोड कोटा
बिलासपुर (छ.ग.)

संगीत (संग+गीत)

“गीतं वाद्यं तथा नृत्यं त्रयं संगीत मुच्यते”

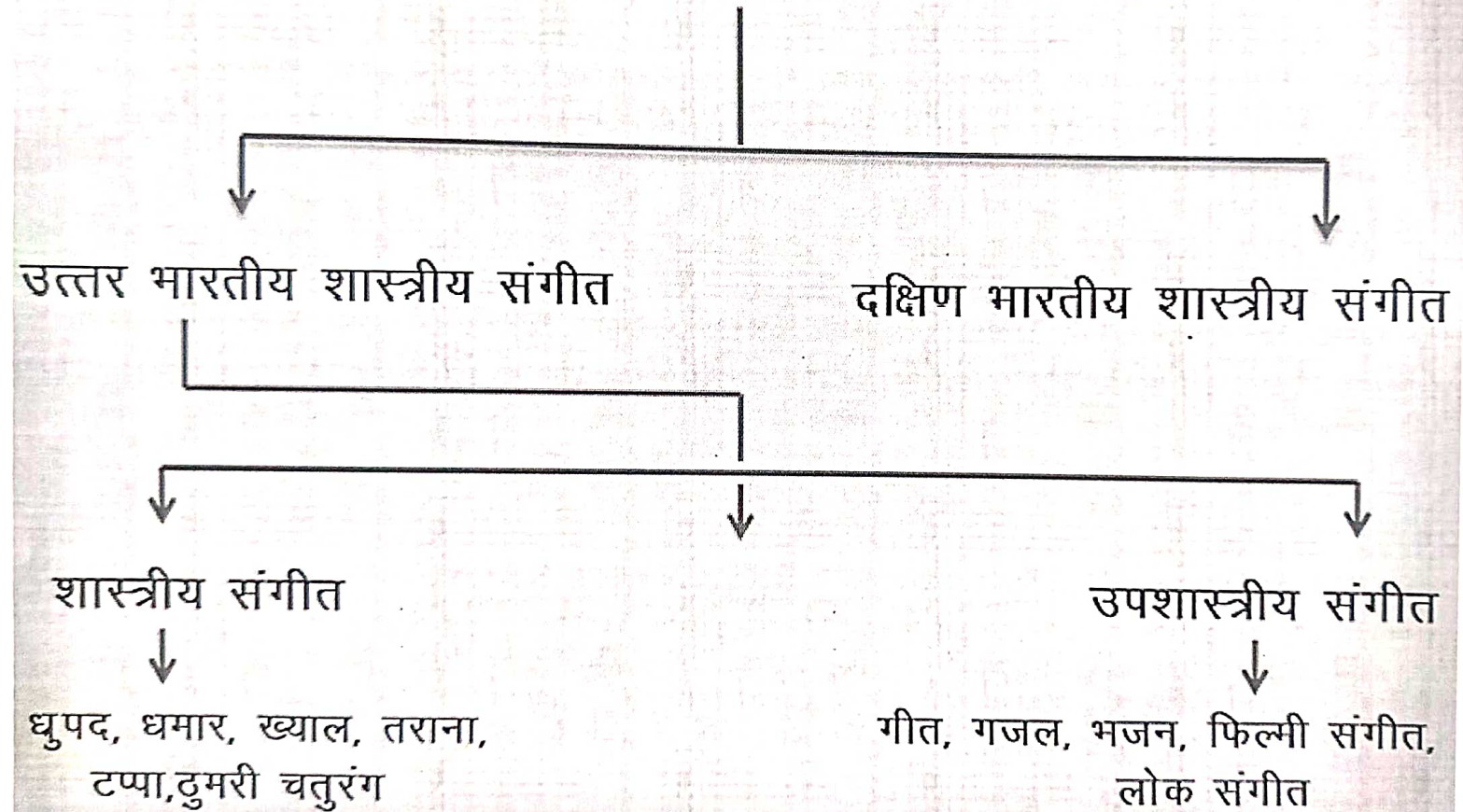


गायन

वादन

नृत्य

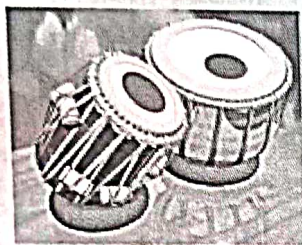
भारतीय शास्त्रीय गायन के प्रकार



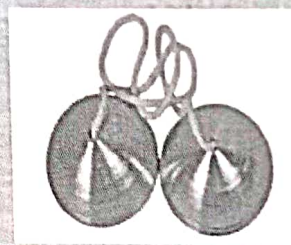
वादन वाद्य के प्रकार



तत



अवनद्य



घन



सुषिर

नृत्य के प्रकार

- | | | |
|-----------------|---|--------------|
| 01. भरतनाट्यम | — | तमिलनाडु |
| 02. कथकली | — | केरल |
| 03. कुचिपुड़ी | — | आंध्रप्रदेश |
| 04. मणिपुरी | — | मणिपुर |
| 05. ओडिसी | — | उड़ीसा |
| 06. सत्रिया | — | आसाम |
| 07. मोहिनीअट्टम | — | केरल |
| 08. कथक | — | उत्तर प्रदेश |



शास्त्रीय संगीत
एवं
लोक संगीत का परस्पर संबंध

मूल वर्धित पाठ्यक्रम में संगीत तत्व की उपादेयता

संगीत जप तप— साधना, रस एवं औषधियों भंडार है। संगीत सुनने से आत्मिक सुख की प्राप्ति होती है एवं तनाव कम होता है। भाईचारा बढ़ता है। संगीत सुनने से स्मरण शक्ति बढ़ती है। 2021-22 की शिक्षानीति के तहत सभी शैक्षणिक संस्थानों में संगीत एवं कला की शिक्षा अनिवार्य है।

अलंकार (संगीत)

इस लेख में सन्दर्भ या स्रोत नहीं दिया गया है।

अधिक जानें

संगीत रत्नाकर^[क] के अनुसार, नियमित वर्ण समूह को अलंकार कहते हैं। सरल शब्दों में, स्वरों के नियमानुसार चलन को अलंकार कहते हैं। अलंकारों को बहुत से लोग *पलटा* भी कहते हैं। अलंकार, संगीत के अभ्यास का प्रथम चरण होते हैं। शास्त्रीय गायन तथा वादन के क्षेत्र में विद्यार्थियों को सर्वप्रथम अलंकारों का अभ्यास करवाया जाता है। वाद्य के विद्यार्थियों को अलंकार के अभ्यास से वाद्य पर विभिन्न प्रकार २ उंगलियां घुमाने की योग्यता हासिल होती है वहीं गायन क्षेत्र से जुड़े लोगो को इस के नियमित अभ्यास से कंठ मार्जन में विशेष सहायता मिलती है।

अलंकारों में कई कड़ियाँ होती है, जो आपस में एक दूसरे से जुड़ी रहती हैं। अलंकारों की रचना में- प्रत्येक अलंकार में मध्य सप्तक के (सा) से तार सप्तक के (सां) तक आरोही वर्ण होता है जैसे- "सारेग, रेगम, गमप, मपध, पधनी, धनीसां" व तार सप्तक के (सां) से मध्य सप्तक के (सा) तक अवरोही वर्ण होता है जैसे:- "सांनिध, निधप, धपम, पमग, मगरे, गरेसा"। एक अन्य उदाहरण में आरोही व अवरोही वर्ण साथ में देखें.....

आरोह -सारेगम, रेगमप, गमपध, मपधनि, पधनिसां। अवरोह -सांनिधप, निधपम, धपमग, पमगरे, मगरेसा।

बाहरी कड़ियाँ

- [https://web.archive.org/web/20110929012326/http://parulchaandpukhraajka.blogspot.com/2007/12/blog-post_17.html] अलंकार
- Alankar In Hindi / अलंकार (<https://www.uttarakhandexamsgk.com/alankar-in-hindi/>) की परिभाषा, भेद और उदाहरण

सन्दर्भ

क. ^ विशिष्ट-वर्ण-सन्दर्भमलंकार प्रचक्षते।

संगीत

रसवान ध्वनि तथा कला का एक रूप

सुव्यवस्थित ध्वनि, जो रस की सृष्टि करे, संगीत कहलाती है। गायन, वादन व नृत्य तीनों के समावेश को संगीत कहते हैं। संगीत नाम इन तीनों के एक साथ व्यवहार से पड़ा है। गाना, बजाना और नाचना प्रायः इतने पुराने हैं जितना पुराना आदमी है। बजाने और बाजे की कला आदमी ने कुछ बाद में खोजी-सीखी हो, पर गाने और नाचने का आरंभ तो न केवल हजारों बल्कि लाखों वर्ष पहले उसने कर लिया होगा, इसमें कोई संदेह नहीं।



नेपाल की नुक्कड़ संगीत-मण्डली द्वारा पारम्परिक



नेपाल की नुक्कड़ संगीत-मण्डली द्वारा पारम्परिक संगीत

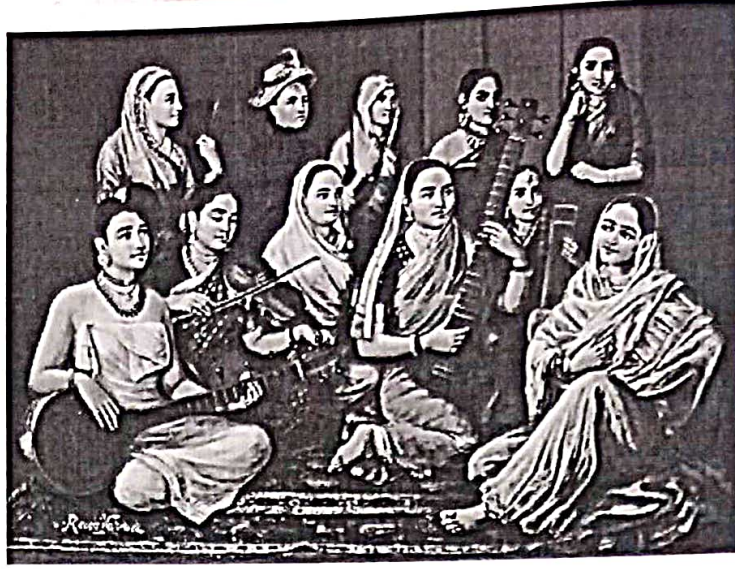
गायन मानव के लिए प्रायः उतना ही स्वाभाविक है जितना भाषण। कब से मनुष्य ने गाना प्रारंभ किया, यह बताना उतना ही कठिन है जितना कि कब से उसने बोलना प्रारंभ किया है। परंतु बहुत काल बीत जाने के बाद उसके गायन ने व्यवस्थित रूप धारण किया।

संगीत पद्धतियाँ

- उत्तरी राजस्थान संगीत पद्धति
- दक्षिणी संगीत पद्धति

इतिहास

मुख्य लेख: संगीत का इतिहास



अपने-अपने क्षेत्रीय परिधानों में सजी हुई भारतीय महिलाएँ भारत के विभिन्न भागों में प्रचलित वाद्य बजा रही हैं। (राजा रवि वर्मा द्वारा चित्रित)

के लिए तैयार किए गए हैं। 'म्यूज' यूनानी पर 'डिस ऑफ सांग' अर्थात् गाने के लिए तैयार किए गए हैं। 'म्यूज' यूनानी पर 'डिस ऑफ सांग' अर्थात् गाने के लिए तैयार किए गए हैं।

युद्ध, उत्सव और प्रार्थना या भजन के समय मानव गाने बजाने का उपयोग करता चला आया है। संसार में सभी जातियों में बाँसुरी इत्यादि फूँक के वाद्य (सुषिर), कुछ तार या ताँत के वाद्य (तत), कुछ चमड़े से मढ़े हुए वाद्य (अवनद्ध या आनद्ध), कुछ ठोंककर बजाने के वाद्य (घन) मिले हैं।

ऐसा जान पड़ता है कि भारत में भरत के समय तक गान को पहले केवल 'गीत' कहते थे। वाद्य में जहाँ गीत नहीं होता था, केवल दाड़ा, दिड़दिड़ जैसे शुष्क अक्षर होते थे, वहाँ उसे 'निर्गीत' या 'बहिर्गीत' कहते थे और नृत्य अथवा नृत्य की एक अलग कला थी। किंतु धीरे-धीरे गान, वाद्य और नृत्य तीनों का "संगीत" में अंतर्भाव हो गया - गीतं वाद्यं तथा नृत्यं त्रयं संगतमुच्यते।

भारत से बाहर अन्य देशों में केवल गीत और वाद्य को संगीत में गिनते हैं; नृत्य को एक भिन्न कला मानते हैं। भारत में भी नृत्य को संगीत में केवल इसलिए गिन लिया गया कि उसके साथ बराबर गीत या वाद्य अथवा दोनों रहते हैं। ऊपर लिखा जा चुका है कि स्वर और लय की कला को संगीत कहते हैं। स्वर और लय गीत और वाद्य दोनों में मिलते हैं, किंतु नृत्य में लय मात्र है, स्वर नहीं। हम संगीत के अंतर्गत केवल गीत और वाद्य की चर्चा करेंगे, क्योंकि संगीत केवल इसी अर्थ में अन्य देशों में भी व्यवहृत होता है।

व्युत्पत्ति

संगीत का आदिम स्रोत प्राकृतिक ध्वनियाँ ही हैं। प्राक् संगीत-युग में मनुष्य के प्रकृति की ध्वनियों और उनकी विशिष्ट लय को समझने की कोशिश की। हर तरह की प्राकृतिक ध्वनियाँ संगीत का आधार नहीं हो सकतीं, अतः भाव पैदा करने वाली ध्वनियों को परखकर संगीत का आधार बनाने के साथ-साथ उन्हें लय में बाँधने का प्रयास किया गया होगा। प्रकृति की वे ध्वनियाँ जिन्होंने मनुष्य के मन-मस्तिष्क को स्पर्श कर उल्लसित किया, वही सभ्यता के विकास के साथ संगीत का साधन बनीं। हालांकि विचारकों के भिन्न-भिन्न मत हैं। दार्शनिकों ने नाद के चार भागों परा, पश्यन्ती, मध्यमा और वैखरी में से मध्यमा को संगीतोपयोगी स्वर का आधार माना। डार्विन ने कहा कि पशु रति के समय मधु ध्वनि करते हैं। मनुष्य ने जब इस प्रकार की ध्वनि का अनुकरण आरम्भ किया तो संगीत का उद्भव हुआ।" कार्ल स्टम्फ ने भाषा उत्पत्ति के बाद मनुष्य द्वारा ध्वनि की एकतारता को स्वर की उत्पत्ति माना। उन्नीसवीं शदी के उत्तरार्द्ध में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने कहा कि "संगीत की उत्पत्ति मानवीय संवेदना के साथ हुई।" उन्होंने संगीत को गाने, बजाने, बताने (केवल नृत्य मुद्राओं द्वारा) और नाचने का समुच्चय बताया।

प्राच्य शास्त्रों में संगीत की उत्पत्ति को लेकर अनेक रोचक कथाएँ हैं। देवराज इन्द्र की सभा में गायक, वादक व नर्तक हुआ करते थे। गन्धर्व गाते थे, अप्सराएँ नृत्य करती थीं और किन्नर वाद्य बजाते थे। गान्धर्व-कला में गीत सबसे प्रधान रहा है। आदि में गान था, वाद्य का निर्माण पीछे हुआ। गीत की प्रधानता रही। यही कारण है कि चाहे गीत हो, चाहे वाद्य सबका नाम संगीत पड़ गया। पीछे से नृत्य का भी इसमें अन्तर्भाव हो गया। संसार की जितनी आर्य भाषाएँ हैं उनमें संगीत शब्द अच्छे प्रकार से गाने के अर्थ में मिलता है।

'संगीत' शब्द 'सम्+ग्र' धातु से बना है। अन्य भाषाओं में 'सं' का 'सिं' हो गया है और 'गै' या 'गा' धातु (जिसका भी अर्थ गाना होता है) किसी न किसी रूप में इसी अर्थ में अन्य भाषाओं में भी वर्तमान है। ऐंग्लो सैक्सन में इसका रूपान्तर है 'सिंगन' (singan) जो आधुनिक अंग्रेजी में 'सिंग' हो गया है, आइसलैंड की भाषा में इसका रूप है 'सिग' (singja), (केवल वर्ण विन्यास में अन्तर आ गया है,) डैनिश भाषा में है 'सिंग' (Synge), डच में है 'त्सिंगन' (tsingen), जर्मन में है 'सिंगेन' (singen)। अरबी में 'गना' शब्द है जो 'गान' से पूर्णतः मिलता है। सर्वप्रथम 'संगीतरत्नाकर' ग्रन्थ में गायन, वादन और नृत्य के मेल को ही 'संगीत' कहा गया है। वस्तुतः 'गीत' शब्द में 'सम्' जोड़कर 'संगीत' शब्द बना, जिसका अर्थ है 'संगीत'। गीत और वादन के साथ नृत्य का मेल 'संगीत' है। अरबों में संगीत को गाना ही माना गया है।

से परिचित थे। देव-देवी को संगीत का आदि प्रेरक सिर्फ हमारे ही देश में नहीं माना जाता, यूरोप में भी यह विश्वास रहा है। यूरोप, अरब और फारस में जो संगीत के लिए शब्द हैं उस पर ध्यान देने से इसका रहस्य प्रकट होता है। संगीत के लिए यूनानी भाषा में शब्द 'मौसिकी' (musique), लैटिन में 'मुसिका' (musica), फ्रांसीसी में 'मुसीक' (musique), पोर्तुगी में 'मुसिका' (musica), जर्मन में 'मूसिक' (musik), अंग्रेज़ में 'म्यूजिक' (music), इब्रानी, अरबी और फारसी में 'मोसीकी'। इन सब शब्दों में साम्य है। ये सभी शब्द यूनानी भाषा के 'म्यूज' (muse) शब्द से बने हैं। 'म्यूज' यूनानी परम्परा में काव्य और संगीत की देवी मानी गयी है। कोश में 'म्यूज' (muse) शब्द का अर्थ दिया है 'दि इन्सपायरिंग गॉडैस ऑफ़ सॉंग' अर्थात् 'गान की प्रेरिका देवी'। यूनान की परम्परा में 'म्यूज' 'ज्यौस' (zeus) की कन्या मानी गयी हैं। 'ज्यौस' शब्द संस्कृत के 'द्यौस्' का ही रूपान्तर है जिसका अर्थ है 'स्वर्ग'। 'ज्यौस' और 'म्यूज' की धारण ब्रह्मा और सरस्वती से विलकुल मिलती-जुलती है।

भारतीय संगीत—भारतीय संगीत का एक सबसे बड़ा संगीत का स्रोत सामवेद को भी माना जाता है सामवेद पूरा का पूरा संगीत का ही ज्ञान है।

मुख्य लेख: भारतीय संगीत

भारतीय संगीत का जन्म वेद के उच्चारण में देखा जा सकता है। संगीत का सबसे प्राचीनतम ग्रन्थ भरत मुनि का नाट्यशास्त्र है। अन्य ग्रन्थ हैं : बृहद्देशी, दत्तिलम्, संगीतरत्नाकर।

संगीत एवं आध्यात्म भारतीय संस्कृति का सुदृढ़ आधार है। भारतीय संस्कृति आध्यात्म प्रधान मानी जाती रही है। संगीत से आध्यात्म तथा मोक्ष की प्राप्ति के साथ भारतीय संगीत के प्राण भूत तत्त्व रागों के द्वारा मनः शांति, योग ध्यान, मानसिक रोगों की चिकित्सा आदि विशेष लाभ प्राप्त होते हैं। प्राचीन समय से मानव संगीत की आध्यात्मिक एवं मोहक शक्ति से प्रभावित होता आया है।

प्राचीन मनीषियों ने सृष्टि की उत्पत्ति नाद से मानी है। ब्रह्माण्ड के सम्पूर्ण जड़-चेतन में नाद व्याप्त है, इसी कारण इसे "नाद-ब्रह्म" भी कहते हैं।

अनादिनिधनं ब्रह्म शब्दतवायदक्षरम् ।

विवर्तते अर्थभावेन प्रक्रिया जगतोयतः॥^[1]

अर्थात् शब्द रूपी ब्रह्म अनादि, विनाश रहित और अक्षर है तथा उसकी विवर्त प्रक्रिया से ही यह जगत भासित होता है। इस प्रकार सम्पूर्ण संसार अप्रत्यक्ष रूप से संगीतमय है। संगीत एक ईश्वरीय वाणी है। अतः यह ब्रह्म रूप ही है। संगीत आनन्द का अविर्भाव है तथा आनन्द ईश्वर का स्वरूप है। संगीत के माध्यम से ही ईश्वर को प्राप्त किया जा सकता है। योग व ज्ञान के सर्वश्रेष्ठ आचार्य श्री याज्ञवल्क्य जी कहते हैं -

वीणावादनतत्त्वज्ञः श्रुतिजातिविशारदः।

तालश्रवणाप्रयासेन मोक्षमार्गं च गच्छति॥^[2]

संगीत एक प्रकार का योग है। इसकी विशेषता है कि इसमें साध्य और साधन दोनों ही सुखरूप हैं। अतः संगीत एक उपासना है, इस कला के माध्यम से मोक्ष प्राप्ति होती है। यही कारण है कि भारतीय संगीत के सुर और लय की सहायता से मीरा, तुलसी, सूर और कबीर जैसे कवियों ने भक्त शिरोमणि की उपाधि प्राप्त की और अन्त में ब्रह्म के आनन्द में लीन हो गए। इसीलिए संगीत को ईश्वर प्राप्ति का सुगम मार्ग बताया गया है। संगीत में मन को एकाग्र करने की एक अत्यन्त प्रभावशाली शक्ति है तभी से ऋषि मुनि इस कला का प्रयोग परमेश्वर का आराधना के लिए करने लगे।

संगीत की शैलियाँ

- ध्रुपद
- धमार
- ख्याल
- ठुमरी
- भजन

संगीत सुनने के लाभ

संगीत हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है। और यह हमारी दैनिक जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। संगीत केवल मनोरंजन के लिए ही नहीं सुना जाता है। वरन इसके कई सारे फायदे हैं। अब संगीत का प्रयोग वैज्ञानिक अनेक रोगों के उपचार के अंदर भी कर रहे हैं। अनेक वैज्ञानिक रिसर्च ने इस बात को प्रमाणित किया है कि संगीत सुनने से कई सारे मानसिक फायदे होते हैं।

तनाव कम होता है

आज कल हर इंसान की जिंदगी दौड़ धूप से भरी रहती है। काम करते करते हम बुरी तरह से थक जाते हैं। जब संगीत सुनते हैं तो हमारा दिमाग रिलेक्स मोड के अंदर आता है। हमारे दिमाग में नई एनर्जी का संचार होता है। व हम अच्छा फील करते हैं। संगीत हमारे मूड को बदल देता है। संगीत दिमाग में कार्टिसोल के स्तर को कम करता है। जिससे दिमाग बेहतर तरीके से काम करता है।

दिमाग की नसों को आराम मिलता है

काम की वजह से दिमाग की नसे ज्यादा थक जाती हैं। संगीत सुनने से दिमाग को आराम मिलता है जहां पर कई बार दवाएं काम नहीं करती हैं। वहां म्यूजिक थेरेपी काम करती है। स्वर-तरंगें संगीत का रूप लेकर जीवन दायनी सामर्थ्य उत्पन्न करती हैं।

दर्द कम करने में लाभप्रद

कुछ वैज्ञानिक शोध यह बताते हैं कि जब इंसान किसी तरह के दर्द से पीड़ित होता है तो उसे उसका मन पसंद संगीत सुनाया जाना चाहिए। जिससे उसका ध्यान दर्द से हट जाता है। और उसे दर्द का एहसास कम होता है। संगीत सुनने से दिमाग में डोपामाइन का स्तर अधिक होता है। जो खुशी पैदा करता है।

सांस से संबंधित समस्याओं को दूर करने के लिए

अमेरिका वैज्ञानिकों के अनुसार संगीत थेरेपी फेफड़ों के लिए काफी अच्छी रहती है। सांस से संबंधित रोगी को संगीत थेरेपी से इलाज करने से फायदा मिलता है। लेकिन गम्भीर सांस के रोग इससे सही नहीं हो पाते हैं।

स्मृति हास (मेमोरी लॉस) को कम करता है

जिन लोगों की यादाश्त अच्छी नहीं होती है। उनको संगीत सुनना चाहिए। जिससे उनकी यादाश्त अच्छी हो जाती है। और दिमाग काफी बेहतर तरीके से काम करने लग जाता है।

हृदय के लिए भी संगीत अच्छा है

संगीत सुनने से दिमाग के अंदर एंडोर्फिन हार्मोन का स्त्राव होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार रोजाना 30 मिनट संगीत सुनने से दिल की क्षमता में अंदर बढ़ोतरी होती है। एकसरसाइज के साथ संगीत सुनने से दिल की कार्यक्षमता के अंदर इजाफा होता है।

नींद अच्छी आती है

अच्छे संगीत सुनने से दिमाग के अंदर चल रहे बेकार के विचारों को विराम मिलता है। और रात के समय दिमाग पूरा खाली हो जाने से अच्छी नींद आती है। आमतौर पर जिन लोगों को नींद नहीं आती उनको सोने से पहले कुछ देर अच्छे गाने सुनने चाहिए।

• यूरोपीय संगीत

लोकप्रिय संगीत

- Lady Gaga - Born This Way (इटली) ^[3]
- Lipa, Little Mix, Coldplay, One Direction, Ellie Goulding, Tinie Tempah, Dizzee Rascal, Skepta, Charli XCX, Calvin Harris, Jax Jones (यूके)
- Felix Jaehn, Nena, Kay One, Alex C, Alle Farben, Eko Fresh, Bausa, Dagi Bee, Capital Bra, Robin Schulz, Bushido, Namika, Scooter, Rammstein, Zedd, 187 Strassenbande, Bonez MC, Gzuz (जर्मनी)
- Cleo, Doda, Sitek, Natalia Nykiel, Ewelina Lisowska, Sokół, Tede, Donguralesko, Margaret, Donatan, Gromee, Sławomir, Zespół Akcent, Taconafide, C-BooL (पोलैण्ड)
- Timati, Feduk, T.A.T.u., Max Korzh, Gamora, Oxxxymiron, Serebro, Gorky Park, Filatov & Karas, Vremya i Steklo, Allj, Alisa Selezneva (रूस)

त्रेपिबद्ध ताल - दादरा, तीनताल, झपताल, केहरवा, रुपक

uTube Link - <https://youtu.be/-Hm1ALDZS0c?si=JEMhpBDEP-gLHioq>

ताल - दादरा

मात्रा - ६ खंड - २ विभाग - (३ - ३)

टाळी - १ खाली - ४

१ २ ३

धा धीं ना ।

×

४ ५ ६

धा तीं ना ।

○

ताल - त्रिताल / तीनताल

मात्रा - १६

खंड - ४ विभाग - (४-४-४-४)

टाळी - १, ५, १३

खाली - ९

१ २ ३ ४
धा धीं धीं धा ।

×

५ ६ ७ ८
धा धीं धीं धा ।

२

९ १० ११ १२
धा तीं तीं ता ।

०

१३ १४ १५ १६
ता धीं धीं धा ।

३

ताल - झपताल

मात्रा - १०

खंड - ४ विभाग - (२-३-२-३)

टाळी - १, ३, ८

खाली - ६

१ २
धीं ना ।

×

३ ४ ५
धीं धीं ना ।

२

६ ७
तीं ना ।

०

८ ९ १०
धीं धीं ना ।

३

ताल - केहरवा

मात्रा - ८

खंड - २ विभाग - (४-४)

टाळी - १

खाली - ५

१
धा
×

२
गे

३
ना

४
तीं
।

५
ना
०

६
के

७
धिं

८
ना
।

ताल - रूपक

मात्रा - ७

खंड - ३ विभाग - (३-२-२)

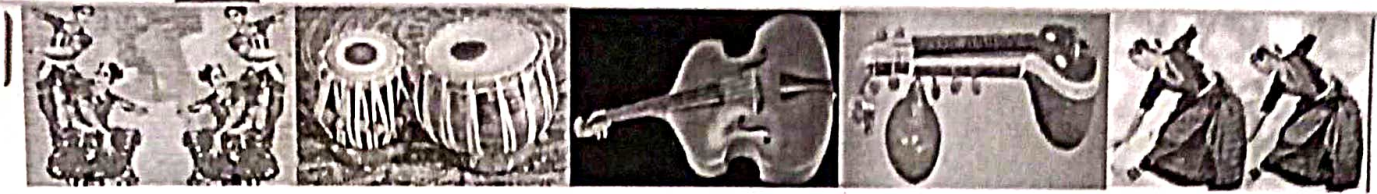
टाळी - ४, ६

खाली - १

१	२	३
तिं	तिं	ना ।

०	
४	५
धिं	ना ।

१	
६	७
धिं	ना ।
२	



वाद्ययंत्र तबला एवं मृदंग

(प्रथम से निपुण भाग II तक तबला और मृदंग के संयुक्त सिद्धांत पेपर होंगे)

तबला

प्रथमा (2 वर्ष का पाठ्यक्रम) - व्यावहारिक

एमएम-200

बुनियादी पाठ्यक्रम तैयार करने की तकनीक.

निर्धारित ताल -

- (1) विस्तार : त्रिताल, झपताल, एकताल
- (2) अविस्तार : तिलवाड़ा, अडाचारताल, झूमरा, पंजाबी, धमार, कहरवा और दादरा।
- ♦ श्रेणी 'ए' के प्रत्येक ताल में पलटस के साथ दो कायदे, दो तुकर, दो रिले, दो मुखरा और तिहाई।
- थाह, डुगुन और चौगुन में श्रेणी 'बी' के सभी ठेका ताल बजाने की क्षमता।
- ♦ सभी निर्धारित तालों, उनके ठेकों और कंपोजिशन के पधांत हाथों से ताली-खाती दिखाते हुए।
- उपकरण को ट्यून करने का प्रारंभिक ज्ञान।
- ठेका का ज्ञान - कहरवा और दादरा ताल की विविधताएँ।

तबला

मध्यमा - व्यावहारिक

एमएम-200

पिछले पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण।

- (1) त्रिताल: प्रत्येक में पांच पलटा के साथ दो अग्रिम क्विडा। तीन अग्रिम गत, दो मुखड़े और रेला। तीन तुकड़े और सरल तिहाई तथा आदिलय में त्रिताल का वादन।
- (2) बराबर, डुगुन, तिगुन और चौगुन में निम्नलिखित तालों के ठेके बजाने की क्षमता : सावरी, रूपक, सूल, मट्टा, गजझामा, तेओरा, झाम्पा।
- (3) सवारी और रूपक: प्रत्येक ताल में दो क्विडा, दो गत, दो रिले, दो मुखड़ा, दो टुकड़े और अग्रिम तिहाई।
- (4) चौताल और सूल : प्रत्येक में चार टुकड़े और दो परन (सदा और चक्रदार) और अग्रिम तिहाई।
- (5) उपकरण की ट्यूनिंग।
- (6) सभी तालों और बोलों का पधांत निर्धारित।

तबला

विशारद भाग I - व्यावहारिक

एमएम-200

पिछले पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण।

- (1) त्रिताल: दिल्ली पेशकार, दो अग्रिम क्विडा, चार अग्रिम गत, तीन मुखड़ा, चार टुकड़े और दो रिले त्रिताल में प्रत्येक में भात पलटते दोने हैं।

पाठ्यक्रम

▷ स्वर

▷ सहायक

मिडार, मरोच, बायकिन, एकराज, बारंगी, मिडार, बांगुरी और लहवाई तबला और मृदंग

▷ नृत्य

▷ घर

शिखर, रुदम, यति शिखर और चित्रा - बराबर दुगुन, तिगुन और में उनके ठेके सरल तुकड़े और तिहाई के साथ चौगुन लयास।

- (3) तलस फरोदास्त और पशू सरल विवडास के साथ।
- (4) लग्गी और लड़ी का प्रयोग।
- (5) सभी तालों और बोलों का पधांत सीखा।
- (6) आदि, कौड़ी लौआकारिस में निर्धारित तालों के ठेकों का पधांत।

तबला

विशारद भाग II - व्यावहारिक

एमएम-200

पिछले पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण।

- (1) त्रिताल : अग्रिम पेशकार, दवार, विवडास, रेलस, तुलकदास, मुखदास और परन तथा खंड, तिसरा, मिश्र जाति में अग्रिम रचनाएँ।
- (2) वह तलास का अनुसरण कर रहा है:
बसंत, ब्रह्मा, लक्ष्मी, विष्णु, गणेश और मणि उन पर प्रदर्शन करने की क्षमता के साथ, चार सदा तुकड़े, दो चक्रदार तुकड़े - चार सदा परन, दो कमली चक्रदार परन, दो मुकड़ा और प्रत्येक ताल में दो रिले।
- (3) बराबर, दुगुन, तिगुन, चौगुन और आदि लय में त्रिताल का ठेका बजाने की क्षमता।
- (4) उपकरण की सही ट्यूनिंग।
- (5) विलंबित लय में सभी प्रचलित तालों के ठेके और उन तालों को बजाने की क्षमता जो स्ट्रिंग वाद्ययंत्र और द्रुत खयाल और तराना के साथ बजाए जाते हैं।
- (6) किसी भी लय में सीखे गए सभी तालों और बोलों का उत्तम पाठ।

तबला

निपुण भाग I - व्यावहारिक

एमएम-200

पिछले पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण।

- (1) दिल्ली और अजरला घरानों की शैली में दो-दो, दिल्ली के पेशकार, विवडास, पलटस, गत, तुकड़े और रेलस के साथ त्रिताल, झपताल, एकताल और अदाचर ताल का व्यापक अध्ययन।
- (2) आदिलय और तिसरा में एक गत और प्रत्येक ताल में मिश्र जाति।
- (3) प्रत्येक ताल में और विभिन्न लयकारियों में अग्रिम पैटर्न के दो मुखड़े।
- (4) सभी निर्धारित तालों में तिहाई (दमदार और बेदाम दोनों)।
- (5) प्रत्येक ताल में एक मंझेदार गत।
- (6) विवडस, गैट्स, तुकडस आदि के साथ सभी निर्धारित तालों के ठेकों के हाथों की पिटाई से पधांत।

तबला

निपुण भाग II - व्यावहारिक

एमएम-200

पिछले पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण।

- (1) अजराला और फरूखाबाद घरानों की शैली में दिल्ली के पेशकार, विवडा, पलटा, गत, तुकड़ा और रेलस के साथ त्रिताल, रूपक, सूल, सवारी और धमार का व्यापक अध्ययन।
- (2) प्रत्येक ताल में कुवाड़ी लय और खंड और छत्र जाति की एक गत।
- (3) प्रत्येक ताल में और विभिन्न लयकारियों में दो मुखड़े या अग्रिम पैटर्न।
- (4) विवडास गत्स, मुखदास आदि के साथ सभी निर्धारित तालों में दमदार और बेदाम दोनों को तेहाई।

तबला

निपुण भाग III - व्यावहारिक

एमएम-400

निपुण पं. में कोई थ्योरी पेपर नहीं होगा। - तृतीय. प्रैक्टिकल परीक्षा दो भागों में आयोजित की जाएगी -

ए. स्टेज प्रदर्शन

एमएम-200

निम्नलिखित तालों का प्रदर्शन एवं प्रश्नावली -

त्रिताल, रूपक, झपताल, अदा-चौताल, बसंत और रुद्र।

बी. विवा वॉयस

एमएम-200

परीक्षक निम्नलिखित विषयों पर उम्मीदवारों की जांच करेगा -

- (1) घराना-बाज़ और उनकी तुलना।
- (2) मौके पर तिहाइयों का गठन।
- (3) विभिन्न प्रकार के गैट्स उदाहरण सहित।
- (4) विभिन्न प्रकार के चक्करदार उदाहरण सहित।
- (5) विभिन्न ताल ठेकों की जटिल लयकारी - आदि, कौड़ी, बियाड़ी और पौनगुन का प्रदर्शन और उनमें से प्रत्येक को एक और एक ही समय चक्र में बोलना।

मृदंग

प्रथमा (2 वर्षीय पाठ्यक्रम) - व्यावहारिक

एमएम-200

बुनियादी पाठ्यक्रम तैयार करने की तकनीक.

निर्धारित ताल -

- (1) विवरण : चौताल, धमार, सूलताल।
- (2) अविस्तार : तीनतल, तीवरा, कहरवा और दादरा।
- ♦ श्रेणी 'ए' में प्रत्येक ताल में दो आसान परण।
- ♦ श्रेणी 'ए' में प्रत्येक ताल में दो रिले।
- श्रेणी 'बी' में ताल के सभी ठेके और उनकी विविधताओं को बजाने की क्षमता।
- » सभी निर्धारित तालों में से डुगुन, तिगुन और चौगुन" बजाने की क्षमता।
- सभी विहित तालों में सरल तिहाइयां।
- ♦ निर्धारित तालों के सभी ठेके और उनकी रचनाओं का पधांत।
- उपकरण को ट्यून करने का प्रारंभिक ज्ञान।

मृदंग (पखवाज)

मध्यमा - व्यावहारिक

एमएम-200

पिछले पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण।

- (1) निम्नलिखित तालों का विस्तृत अध्ययन -
सावरी, मेट, गजझांपा और चौताल।
- (2) निर्धारित तालों के थाह, डुगुन और चौगुन में पढ़त।
- (3) धूमकिट के पद और सभी विहित तालों में उनका प्रयोग।
- (4) प्रत्येक निर्धारित ताल में एक मोहरा।
- (5) प्रत्येक निर्धारित ताल में दो सदा पारण।
- (6) उपरोक्त निर्धारित प्रत्येक ताल में एक चक्रदार पारण।
- (7) उपरोक्त निर्धारित तालों में से प्रत्येक में एक रिले।
- (8) प्रत्येक ताल में एक तिसरा जाति की परण।
- (9) प्रत्येक ताल (बेदम और दमदार) में सरल तिहाई।
- (10) सभी तालों और बोलों का पधांत सीखा।

मृदंग (पखवाज)

विशारद भाग I - व्यावहारिक

एमएम-200

निपुण पं. में कोई श्योरी पेपर नहीं होगा। - तृतीय. प्रैक्टिकल परीक्षा दो भागों में आयोजित की जाएगी -

ए. स्टेज प्रदर्शन

एमएम-200

निम्नलिखित तालों का प्रदर्शन एवं प्रश्नावली -

त्रिताल, रूपक, झपताल, अदा-चौताल, बसंत और रुद्र।

बी. विवा वॉयस

एमएम-200

परीक्षक निम्नलिखित विषयों पर उम्मीदवारों की जांच करेगा -

- (1) घराना-बाज और उनकी तुलना।
- (2) मौके पर तिहाइयों का गठन।
- (3) विभिन्न प्रकार के गैट्स उदाहरण सहित।
- (4) विभिन्न प्रकार के चक्करदार उदाहरण सहित।
- (5) विभिन्न ताल ठेकों की जटिल लयकारी - आदि. कौड़ी, बियाड़ी और पौनगुन का प्रदर्शन और उनमें से प्रत्येक को एक और एक ही समय चक्र में बोलना।

मृदंग

प्रथमा (2 वर्षीय पाठ्यक्रम) - व्यावहारिक

एमएम-200

बुनियादी पाठ्यक्रम तैयार करने की तकनीक.

निर्धारित ताल -

- (1) विवरण : चौताल, धमार, सूलताल।
- (2) अविस्तार : तीनताल, तीवरा, कहरवा और दादरा।
- ♦ श्रेणी 'ए' में प्रत्येक ताल में दो आसान परण।
- ♦ श्रेणी 'ए' में प्रत्येक ताल में दो रिले।
- श्रेणी 'बी' में ताल के सभी ठेके और उनकी विविधताओं को बजाने की क्षमता।
- ♦ सभी निर्धारित तालों में से डुगुन, तिगुन और चौगुन" बजाने की क्षमता।
- सभी विहित तालों में सरल तिहाइयां।
- ♦ निर्धारित तालों के सभी ठेके और उनकी रचनाओं का पधांत।
- उपकरण को ट्यून करने का प्रारंभिक ज्ञान।

मृदंग (पखवाज)

मध्यमा - व्यावहारिक

एमएम-200

पिछले पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण।

- (1) निम्नलिखित तालों का विस्तृत अध्ययन - सावरी, मैट, गजझांपा और चौताल।
- (2) निर्धारित तालों के थाह, डुगुन और चौगुन में पढ़ंत।
- (3) धूमकिट के पद और सभी विहित तालों में उनका प्रयोग।
- (4) प्रत्येक निर्धारित ताल में एक मोहरा।
- (5) प्रत्येक निर्धारित ताल में दो सदा पारण।
- (6) उपरोक्त निर्धारित प्रत्येक ताल में एक चक्रदार पारण।
- (7) उपरोक्त निर्धारित तालों में से प्रत्येक में एक रिले।
- (8) प्रत्येक ताल में एक तिसरा जाति की परन।
- (9) प्रत्येक ताल (बेदम और दमदार) में सरल तिहाई।
- (10) सभी तालों और बोलों का पधांत सीखा।

मृदंग (पखवाज)

विशारद भाग I - व्यावहारिक

एमएम-200

- शिखर, रुद्र, यति-शिखर, धमार और चौताल।
- (2) निर्धारित तालों के डुगुन, तिगुन और चौगुन में पढ़ें।
 - (3) प्रत्येक निर्धारित ताल में एक चक्रदार और दो सदा परन।
 - (4) प्रत्येक निर्धारित ताल में एक आदिलय-की-परन।
 - (5) सभी निर्धारित तालों (बेदम और दमदार) में तिहाईस।
 - (6) बधैया-की-परन निर्धारित तालों में से किन्हीं दो में।
 - (7) किसी भी निर्धारित ताल में स्थ-पारन।
 - (8) प्रत्येक निर्धारित ताल में एक रेता।
 - (9) सभी निर्धारित तालों और बोलों (रचनाओं) का पाठ।

मृदंग (पखवाज)
विशारद भाग II - व्यावहारिक

एमएम-200

पिछले पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण।

- (1) निम्नलिखित तालों का अग्रिम रचनाओं सहित विस्तृत अध्ययन - बसंत, सरहम, लक्ष्मी, गणेश, विष्णु और मणि।
- (2) उपरोक्त प्रत्येक ताल में एक चक्रदार और दो सदा परन।
- (3) त्रिताल - 1 से 16 वीं मात्रा पर क्रमशः सोलह परन या तुकड़े विश्राम करते हैं।
- (4) प्रत्येक निर्धारित ताल में एक आदिलय-की-परन।
- (5) सभी विहित तालों में स्थ पारण।
- (6) प्रत्येक निर्धारित ताल में एक मुखड़ा या मोहरा।
- (7) सभी निर्धारित तालों में अग्रिम तिहाईस।
- (8) यंत्र की उत्तम ट्यूनिंग।
- (9) सभी निर्धारित ताल बोलों का पधांत।

मृदंग
निपुण भाग I - व्यावहारिक

एमएम-200

पिछले पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण।

- (1) चौताल, धमार, तेओरा और सूल और झांपा का विस्तृत अध्ययन, परानों की सभी विविधताओं जैसे साठ परन, गत परन के साथ, पानसे घराने पर अधिक जोर देते हुए।
- (2) कौड़ी लय में पारण।
- (3) तिसरा और मिश्र जाति में परान।
- (4) अलग-अलग लय में बेदाम और दमदार तिहाईस।
- (5) सभी बोलों का पढ़ान सीखा।
- (6) किसी भी ताल (पारंपरिक) में गणेश पारण।

मृदंग
निपुण भाग II - व्यावहारिक

एमएम-200

पिछले पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण।

- (1) त्रिताल, लक्ष्मी, झपताल और शिखर का व्यापक अध्ययन, जिसमें परानों की सभी किस्में दी गई हैं, जैसे कि सात परन, गत परन, कवित परन आदि, सदा और चक्रदार दोनों।
- (2) कुदाउ सिंह घराने पर जोर दिया जाना चाहिए।
- (3) वियादि लय में परान और तुकादस निर्धारित तालास में।
- (4) किसी भी ताल (परम्परागत) में शीर्ष-की-परन और गज-परन।
- (5) सभी बोलों का पढ़ान सीखा।

निपुण भाग III - व्यावहारिक

एमएम-400

निपुण पं. में कोई थ्योरी पेपर नहीं होगा। - तृतीय. प्रैक्टिकल परीक्षा दो भागों में होगी -

ए. स्टेज प्रदर्शन

एमएम-200

निम्नलिखित तालों का प्रदर्शन एवं प्रश्नावली -

चौताल, धमार, गणेश, रुद्र और लक्ष्मी।

बी. विवा वॉयस

एमएम-200

परीक्षक निम्नलिखित विषयों पर उम्मीदवारों की जांच करेगा -

- (1) घराना-बाज और उनकी तुलना।
- (2) मौके पर तिहाइयों का गठन।
- (3) विभिन्न प्रकार के गैट्स उदाहरण सहित।
- (4) यति के विभिन्न प्रकार उदाहरण सहित।
- (5) विभिन्न प्रकार के चक्करदार उदाहरण सहित।
- (6) विभिन्न ताल ठेकों की जटिल लयकारी - आदि, कौड़ी, बियाड़ी और पौनगुन का प्रदर्शन और उनमें से प्रत्येक को एक और एक ही समय चक्र में बोलना।

प्रथमा

तबला/मृदंग - सिद्धांत

एमएम-100

- (1) मेज/मृदंग की उत्पत्ति का सामान्य ज्ञान।
- (2) तबला/मृदंग के विभिन्न अंगों का वर्णन एवं अध्ययन।
- (3) संबंधित यंत्र की तकनीक और उस पर अलग-अलग और संयुक्त रूप से अक्षर (वर्ण) कैसे उत्पन्न करें।
- (4) निम्नलिखित शब्दों की परिभाषाएँ -
संगीत, तत् वाद्य, अवनधा वाद्य, घन, वाद्य, भारी, ताली, विभाग, आवर्तन, ठेका, विलंबित, मध्य, दुइट, बरादर, डुगुन, तिगुन, चौगुन।
- (5) निम्नलिखित शब्दों की परिभाषाएँ -
क्विदा, गत, मुखड़ा, रेला, तिहाई, टुकड़ा, परन मोहरा, बोल, पलटे।
- (6) सभी निर्धारित तालों को उनके ठेके और बोल के साथ नोटेशन में लिखने की विधि।
- (7) तबला/मृदंग के महान प्रतिपादकों का जीवन रेखाचित्र।

मध्यमा

तबला/मृदंग - सिद्धांत

एमएम-100

पिछले वर्षों में सीखे गए सिद्धांत का पुनरीक्षण।

- (1) तबला/मृदंग वादकों के गुण-दोष।
- (2) तबला/मृदंग के विभिन्न चरणों का सामान्य ज्ञान।
- (3) निम्नलिखित शब्दों की उदाहरण सहित परिभाषा गत, सथ परन -
लगगी, लड़ी, परन, दिल्ली पेशकार, उठान, परल, कमली-चक्रदार।
- (4) वे ताल जिनका प्रयोग गायन की निम्नलिखित शैलियों की संगत में किया जाता है -
धुपद, धमार, होरी, बड़ा खयाल, छोटा खयाल, ठुमरी, भजन, टप्पा, गीत, गजल और कव्वाली।
- (5) ताल वाद्य की अन्य किस्मों का सामान्य ज्ञान।
- (6) निर्धारित सभी तालों को स्वरबद्ध करके लिखना।
- (7) निम्नलिखित में से किसी एक का जीवन रेखाचित्र -
मैं। वाजिद हुसैन खलीफा द्वितीय. पं. सखाराम
iii. अयोध्या प्रसाद iv. उस्ताद मसीत खान

विचारद भाग I
तबला और मिरदंग - सिद्धांत

एमएम-100

- (1) तबला एवं मृदंग के विभिन्न बाजों का तुलनात्मक अध्ययन।
- (2) एक ताल के दस पारन।
- (3) मेज/मृदंग की उत्पत्ति का विस्तृत अध्ययन।
- (4) आदि में ताल संकेतन तालस में लिखना। कौड़ी और बियाड़ी लयकारियां।
- (5) उदाहरण देते हुए निम्नलिखित शब्दों की परिभाषा - निर्धारित तालस के प्रकार, राऊ, चला या चलन, मिसिल बंट पैच, अंगुष्ठान, फराद, चारबाग, दुपल्ली।
- (6) निम्नलिखित में से किसी एक का जीवन रेखाचित्र -
i. उस्ताद अहमद खान थकिरकवा ii. उस्ताद हबीबुद्दीन खान
iii. पं. समता प्रसाद iv. पं. अंबादास
बनारस श्री पर्वत सिंह।

विचारद भाग II
तबला और मिरदंग - सिद्धांत

एमएम-100

- (1) दक्षिण भारतीय ताल प्रणाली का एक सामान्य अध्ययन।
- (2) तबला और मृदंग के विभिन्न घरानों की मुख्य विशेषताएँ और उनमें अंतर कैसे करें।
- (3) निम्नलिखित शब्दों की परिभाषा और ज्ञान -
जरब, वाज़ेन, अति विलामित, अति दुत, जाति (पांच प्रकार), यति (पांच प्रकार), गेडा, टिपल्ली, चौपल्ली, लाल किला, लोम, एकहत्थीपरन, गत-क्विडा, गत-परन, नवहक्का।
- (4) दो प्रचलित ताल दो प्रचलित ताल संकेतन प्रणालियों का ज्ञान और उनके बीच अंतर:
अर्थात् : भातखंडे और विष्णु दिगंबर।
- (5) अन्य उत्तर भारतीय ताल वाद्यों का सामान्य ज्ञान।
- (6) तबला या मृदंग -
स्वर संगीत, वाद्य संगीत और नृत्य।
- (7) एकल संगत के रूप में तबला या मृदंग।
- (8) निम्नलिखित में से किसी का जीवन रेखाचित्र -
i. आबिद हुसैन द्वितीय, बयान खान
iii. नाना साहेब पानसे iv. कोदऊ सिंह
वि. बड़ा मुन्ना खान

निपुण भाग I
तबला और मिरदंग - सिद्धांत

पेपर - I

एमएम-100

- (1) ताल की भारतीय अवधारणा और आधुनिक काल में लम्बे वाद्य का प्रयोग।
- (2) तुलनात्मक अध्ययन अथवा प्राचीन एवं आधुनिक ताल पद्धतियाँ।
- (3) तबला या मृदंग के विभिन्न घरानों और शैलियों (बाज) का आलोचनात्मक अध्ययन।
- (4) मात्राओं की एक निश्चित संख्या से ताल प्रस्तार (गणितीय प्रक्रिया)।
- (5) एकल प्रदर्शन और गायन के सिद्धांत।
- (6) उत्तर एवं कर्नाटक ताल प्रणाली का तुलनात्मक अध्ययन।
- (7) तबला/मृदंग रचनाओं में छन्द का प्रयोग एवं महत्व।
- (8) तबला/मृदंग के महान प्रतिपादकों का जीवन परिचय एवं योगदान।

पेपर - II

एमएम-100

के लिए -

- संगीत और समाज
 - (2) संगीत और उसका अन्य ललित कलाओं से संबंध।
 - (3) अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में भारतीय संगीत।
 - (4) संगीत की संस्थागत शिक्षा और गुरु शिष्य परम्परा।
 - (5) भारतीय संगीत और हमारी सांस्कृतिक विरासत।
- नोट - परीक्षक/पेपर सेटर कुछ अन्य समान विषय चुन सकते हैं।

निपुण भाग II

तबला और मिरदंग - सिद्धांत

पेपर - I

एमएम-100

पिछले पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण।

- (1) पश्चिमी संगीत और भारतीय ताल वाद्य में प्रयुक्त ड्रम का तुलनात्मक अध्ययन।
- (2) अवनधा वाद्य का विस्तृत अध्ययन जैसा कि "संगीत रत्नाकर" में दिया गया है।
- (3) संस्कृत ग्रंथों के ताल अध्यायों का संक्षिप्त अध्ययन।
- (4) तबला/मृदंग रचनाओं में प्रयुक्त विभिन्न शब्दों का उदाहरण देते हुए आलोचनात्मक विश्लेषण।
- (5) भारतीय शास्त्रीय संगीत में सौंदर्यशास्त्र और मंच प्रदर्शन।
- (6) छंद-लय-ताल-रस का संबंध।
- (7) विभिन्न प्रकार के यति उदाहरण सहित।
- (8) संगत में साम और विषम ग्रह का प्रयोग और उसका महत्व।

पेपर - II

एमएम-100

सामान्य रुचि के संगीत के किसी भी विषय पर 800 शब्दों का निबंध।

उदाहरण के लिए -

- (1) संगीत में प्रयोगवाद।
 - (2) भारतीय संगीत एवं अध्यात्म।
 - (3) भारतीय एवं पश्चिमी संगीत के सम्मिश्रण की अवधारणा।
 - (4) राष्ट्रीय एकता में कलाकार की भूमिका।
- नोट - परीक्षक/पेपर सेटर कुछ अन्य समान विषय चुन सकते हैं।

EDUCATION DEPARTMENT

VALUE ADDED COURSE

TOPIC - ELEMENT OF CLASSICAL & FOLK MUSIC

TEACHER NAME - Mrs. SUCHITRA DEY

DATE - 15.01.2024



EDUCATION DEPARTMENT

VALUE ADDED COURSE

TOPIC - ELEMENT OF CLASSICAL & FOLK MUSIC

TEACHER NAME - Mr. SHRIPRAKASH TIWARI

DATE - 16.01.2024





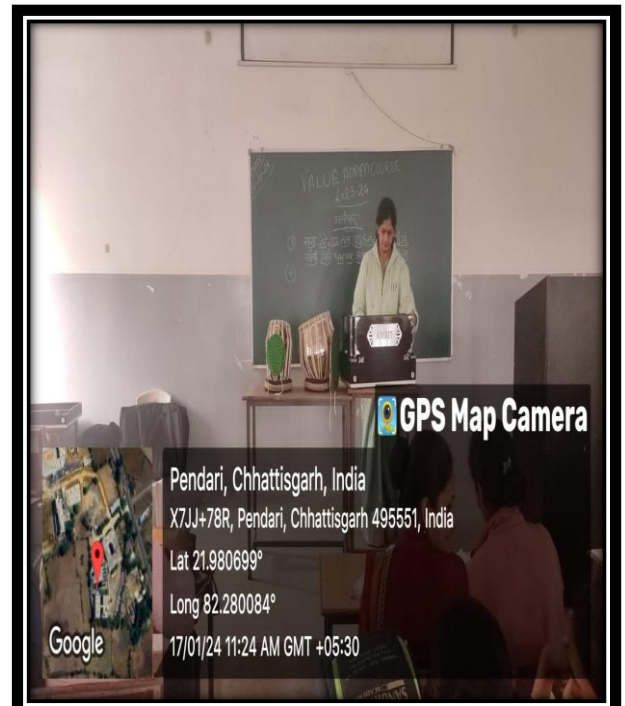
EDUCATION DEPARTMENT

VALUE ADDED COURSE

TOPIC - ELEMENT OF CLASSICAL & FOLK MUSIC

TEACHER NAME - Mrs. URVASHI MISHRA

DATE - 17.01.2024



EDUCATION DEPARTMENT

VALUE ADDED COURSE

TOPIC - ELEMENT OF CLASSICAL & FOLK MUSIC

TEACHER NAME - Mrs. URVASHI MISHRA

DATE - 17.01.2024



EDUCATION DEPARTMENT

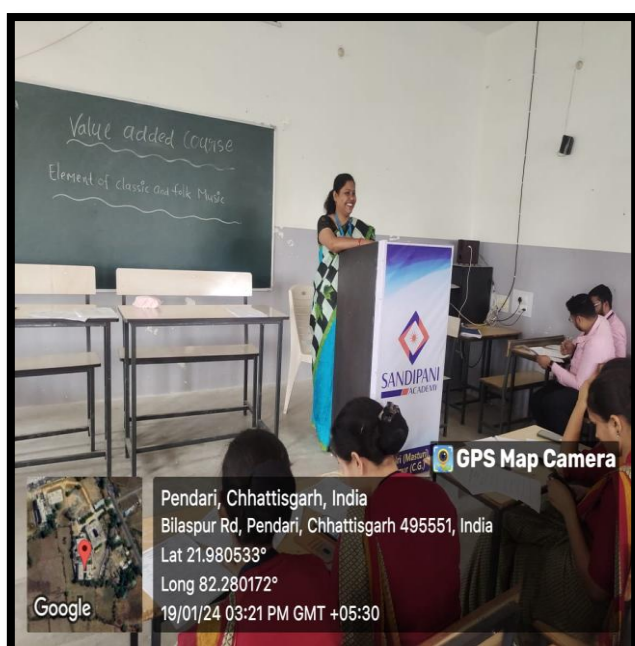
VALUE ADDED COURSE

TOPIC - ELEMENT OF CLASSICAL & FOLK MUSIC

TEACHER NAME - Mrs. SUCHITRA DEY

FINAL EXAM OF VALUE ADDED COURSE

DATE - 19.01.2024





SANDIPANI
ACADEMY

सूचना

दिनांक— 17/01/2024

सांदीपनी एकेडमी पेण्ड्री (मस्तूरी) जिला – बिलासपुर (छ.ग.) शिक्षा विभाग के समस्त शिक्षकगणों एवं प्रशिक्षार्थियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 19/01/2024, समय – 11:50 am से 01:10 pm को **“Value Added Course, Topic – The Elements of Classical and Folk Music”** सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक परीक्षा का आयोजन किया जाना है जिसमें आप सभी को अनिवार्य रूप से उपस्थित होंगे।

R. Singh
17/01/2024

प्राचार्य

डॉ. रीता सिंह

सांदीपनी एकेडमी

पेण्ड्री (मस्तूरी) जिला – बिलासपुर (छ.ग.)

Principal

Department of Education

Sandipani Academy

Pendri (Masturi) Bilaspur (C.G.)



SANDIPANI
ACADEMY

SANDIPANI ACADEMY

PENDRI (MASTURI), BILASPUR (C.G.)

VALUE ADDED COURSE

Element of Classical and Folk Music

Session - 2023 - 24

FINAL EXAM

MM : 50

Date : 19.01.2024

Time : 02:00 – 03:50 PM

Student Name :

Class :

1. संगीत की उत्पत्ति किस ग्रंथ से मानी जाती है?

- a) ऋग्वेद
- b) यजुर्वेद
- c) सामवेद
- d) अथर्ववेद

From which book is the origin of music considered ?

- a) Rigveda
- b) Yajurveda
- c) Samaveda
- d) Atharvaveda

2. पांचो ललित कलाओं में सर्वश्रेष्ठ ललित कला कौन सी है?

- a) वास्तुकला
- b) चित्रकला
- c) काव्य कला
- d) संगीत कला

Which is the best fine art among the five fine arts ?

- a) Architecture
- b) Painting
- c) Poetry Art
- d) Musical Art

3. संगीत के कितने प्रकार हैं ?

- a) 2
- b) 3
- c) 4
- d) 5

How many types of music are there ?

- a) 2
- b) 3
- c) 4
- d) 5

4. संगीत पद्धतियां कितने हैं ?

- a) 4
- b) 3
- c) 2
- d) 5

How many musical methods are there S?

- a) 4
- b) 3
- c) 2
- d) 5

5. ध्रुपद, धमार, खयाल, ठुमरी, भजन, गजल ये सब संगीत की है ?

- a) शैलियाँ
- b) पद्धतियाँ
- c) दोनों
- d) कोई नहीं

Dhrupad, Dhamar, Khayal, Thumri, Bhajan, Ghazal all these are of music ?

- a) Styles
- b) Methods
- c) Both
- d) Nobody

6. जब दो पदार्थ टकराते हैं तो क्या उत्पन्न होता है ?
a) आवाज c) ध्वनी
b) नाद d) इनमें से सभी

What is produced when two substances collide

- a) Voice c) Sound
b) Naad d) All of these

7. नाद कितने प्रकार के होते हैं ?

- a) 3 c) 2
b) 4 d) 5

How many types of sounds are there ?

- a) 3 c) 2
b) 4 d) 5

8. काव्य के भांति संगीत के कितने पक्ष होते हैं ?

- a) एक c) तीन
b) दो d) पांच

Like poetry, how many aspects does music have ?

- a) One c) There
b) Two d) five

9. श्रुतियों की संख्या कितनी मानी गई है ?

- a) 7 c) 22
b) 12 d) 24

What is the number of shrutis considered ?

- a) 7 c) 22
b) 12 d) 24

10. संगीत में विकृत स्वरों की संख्या कितनी है ?

- a) सात c) बारह
b) पांच d) दो

What is the number of distorted notes in music ?

- a) Seven c) Tweleve
b) Five d) Two

11. विकृत स्वर कितने प्रकार हैं ?

- a) पांच c) तीन
b) सात d) दो

How many types of distorted vowels are there ?

- a) Five c) Three
b) Seven d) Two

12. कोमल विकृत स्वर कितने हैं ?

c) 7

d) 2

c) 5

d) 4

How many soft distorted vowels are there ?

a) 7

b) 2

c) 5

d) 4

13. तीव्र विकृत स्वर कितने हैं ?

a) 7

b) 5

c) 2

d) 1

How many sharp distorted vowels are there ?

a) 7

b) 5

c) 2

d) 1

14. एक सप्तक में कितने स्वर होते हैं ?

a) 7

b) 5

c) 12

d) 10

How many notes are there in an octave ?

a) 7

b) 5

c) 12

d) 10

15. सप्तक के कितने प्रकार होते हैं ?

a) 3

b) 2

c) 5

d) 7

How many types of octave are there ?

a) 3

b) 2

c) 5

d) 7

16. किस थाट में सभी स्वर शुद्ध होते हैं ?

a) बिलावल

b) कल्याण

c) खमाज

d) मारवा

In which thaat are all the notes pure ?

a) Bilawal

b) Welfare

c) Khamaj

d) Kill

17. संगीत दामोदर के अनुसार नाद कितने प्रकार के होते हैं ?

- a) तीन
- b) दो

- c) चार
- d) पांच

According to sangeet Damodar, how many types of sounds are there ?

- a) Three
- b) Two

- c) Four
- d) Five

18. संगीत में शुद्ध स्वरों की संख्या कितनी है ?

- a) छः
- b) बारह

- c) पांच
- d) सात

What is the number of pure notes in music there are ?

- a) Six
- b) Twelve

- c) Five
- d) Seven

19. शुद्ध और विकृत स्वर मिलाकर संगीत में कुल कितने स्वर होते हैं ?

- a) 12
- b) 7

- c) 22
- d) 5

How many notes are there in music by mixing pure and distorted notes ?

- a) 12
- b) 7

- c) 22
- d) 5

20. हिंदुस्तानी संगीत में कितने थाट माने गए हैं ?

- a) बाईस
- b) बारह

- c) दस
- d) सात

How many thaats are considered in Hindustani music ?

- a) Twenty Two
- b) Twelve

- c) Ten
- d) Seven

SANDIPANI ACADEMY

PENDRI (MASTURI), BILASPUR (C.G.)

Session - 2023 - 24

Value Added Course

Topic - Element of Classical & Folk Music

FINAL RESULT

TOTAL MARKS - 100

S.NO.	NAME OF STUDENT	TEST - I	TEST - II	TEST - III	PRACTICAL	FINAL EXAM	TOTAL MARKS 100
		Marks - 10	Marks - 10	Marks - 10	Marks - 30	Marks - 40	
1	AARTI KASHYAP	10	8	10	25	40	93
2	ABHA PRIYANKA KUJUR	10	9	9	26	40	94
3	ABHA YADAV	8	4	10	25	38	85
4	AKANSHA ANANT	10	8	10	25	40	93
5	AMIT KUMAR RATHORE	10	8	10	26	40	94
6	ANJALI BHARGAVA	10	9	10	25	40	94
7	ANJALI TOPPO	9	8	10	28	40	95
8	ANNIRUDH DHAKA	10	8	9	25	38	90
9	ANNU PATEL K	10	9	9	28	38	94
10	ANNU PATEL R	10	10	10	28	40	98
11	ASHOK KUMAR	10	9	10	25	36	90
12	ASHUTOSH SONI	10	9	8	28	40	95
13	AVINSAH KUMAR	6	7	10	28	18	69
14	BHUNESHWAR NIRMALKAR	9	6	10	28	36	89
15	CHANDAN GAURKHEDE	10	9	10	28	40	97
16	DHANANJYA KUMAR	10	9	10	25	40	94
17	DIVYA	10	8	10	26	40	94
18	GARIMA KHANDEKAR	10	9	10	28	40	97
19	GEETA PAINKRA	9	8	10	28	40	95
20	GULSHAN KUMAR SAHU	10	9	10	26	40	95
21	HARSHITA NAIK	10	9	10	28	40	97
22	JAY KUMAR CHOUDHARY	10	9	6	28	38	91
23	JONAH KUJUR	10	9	10	25	38	92
24	JYOTISH CHHEDAM	9	8	10	25	40	92

25	KAMLESH PATEL	10	9	10	26	40	95
26	KESHAV KASHAP	10	9	10	25	38	92
27	KIRAN KUMAR	9	6	10	25	36	86
28	KOMESH PRASAD	10	8	9	26	40	93
29	LOKESH MARAVI	10	10	10	25	40	95
30	MANIKANT SAI	8	8	9	25	40	90
31	MANOJ KUMAR SAHU	10	9	10	28	40	97
32	MUKESH KUMAR SONI	10	9	10	25	36	90
33	MUSKAN AGRAWAL	10	6	10	26	40	92
34	MUSKAN BINDU TANDAN	10	8	10	26	40	94
35	NANDANI JAGAT	10	9	10	26	40	95
36	NAVAKANT GUPTA	10	8	9	26	40	93
37	NAVEEN KUMAR	7	5	6	25	36	79
38	NIKKI NIRMALKAR	10	9	4	25	40	88
39	PALLAVI DAHARIA	10	8	10	26	40	94
40	PARMENDRA CHATURVEDI	10	9	9	28	40	96
41	POOJA DHIWAR	10	9	9	25	40	93
42	PRASHANT	8	9	10	26	40	93
43	PREMLATA LAKRA	10	9	10	26	40	95
44	PRITI NIRMALKAR	10	9	10	28	40	97
45	PRITI PATRE	9	8	10	28	40	95
46	PRIYA PATEL	10	9	10	25	40	94
47	PRIYA TAMBOLI	10	9	10	25	40	94
48	PRIYANSHI KURRE	10	9	10	25	40	94
49	PUSHPLATA RATRE	10	7	10	28	40	95
50	RADHIKA SAHU	10	8	10	25	40	93
51	RAJESH KUMAR	10	9	10	26	34	89
52	RAJNEE SAHU	10	8	10	26	40	94
53	RAKSHA SAHU	10	8	10	26	40	94
54	RIMA RATRE	10	8	10	28	40	96
55	RITESH	9	9	10	25	38	91
56	RITU CHATURVEDI	7	8	10	26	40	91
57	ROHAN SAHU	10	9	9	25	40	93
58	ROSHNI JAISWAL	8	5	10	25	40	88

59	SABHYA KHARE	10	6	10	25	40	91
60	SACHIN YADAV	10	8	10	26	40	94
61	SANDHYA SAHU	10	9	9	28	40	96
62	SANGEETA	10	9	10	26	40	95
63	SARITA PATEL	10	8	10	28	40	96
64	SARTHAK RATHORE	10	8	10	26	40	94
65	SEETA PAINKRA	10	8	10	28	40	96
66	SHALINTA TIRKEY	10	8	10	25	40	93
67	SHASHI MIRI	9	10	10	28	40	97
68	SHEKHAR KUMAR KAUSHIK	9	9	10	25	40	93
69	SHRADDHA YADAV	9	8	10	28	40	95
70	SHUBHAM KANGARE	9	9	10	26	40	94
71	SUDHA KERKETTA	10	8	9	25	38	90
72	SUJATA KHARSAY	10	7	10	25	40	92
73	SUMITA TANDAN	10	9	10	28	36	93
74	SUNANDA SINGH	10	10	9	28	38	95
75	SURAJ KUMAR MAHTO	10	9	9	26	40	94
76	SWATI LAKRA	10	9	10	26	40	95
77	TARUN KUMAR PATEL	6	2	5	25	36	74
78	TIJAN BANJARE	10	9	10	28	40	97
79	VARSHA YADAV	10	7	10	25	40	92
80	VIPIN KUMAR SHARMA	10	8	10	25	40	93
81	VISHWANATH	10	9	10	28	40	97
82	ZANID DAS	10	8	10	28	40	96



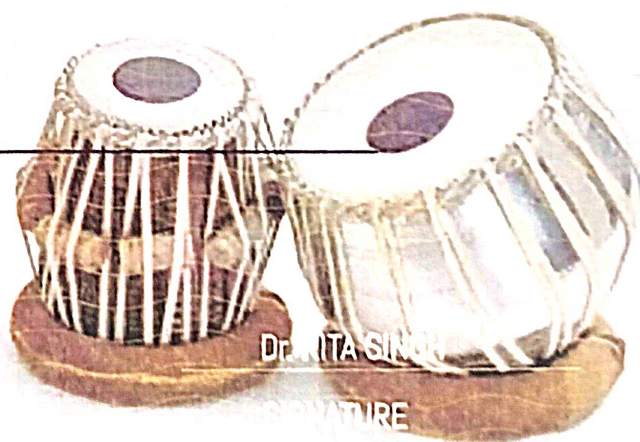
SANDIPANI ACADEMY

PENDRI (MASTURI), BILASPUR (C.G.)

15.01.2024 - 22.01.2024

CERTIFICATE OF APPRECIATION

**This Certificate Is Proudly Presented To Value Added
Course (The Element Of Classical & Folk Music)**



Day - 01

Date - 15/01/2024

Time - 10:00 am To 3:50 pm

Teacher Name - Mrs. Suchitree Day
 Topic → Music

- Definition of Music
- Description of Music
- Characteristics of Music
- How music is made
- Sociological Aspects
- Role of the Internet in Music

Sr. No.	Name of students	Signature
01.	Avinash Kumar Rathore	Avinash
02.	Naitik Patel	Naitik
03.	Kunal Patel	K Patel
04.	PRASHANT	Prashant
05.	Dheeraj Kumar Sen	Dheeraj
06.	Sagithak Rathore	Sagithak
07.	Aamit Kumar Rathore	Aamit
08.	Manoj Kumar	Manoj
09.	Ashok Sonwani	Ashok
10.	POHAN SAHU	Pohan
11.	Blumskewer normalbeers	Blumskewer
12.	PRATAP RAY	Pratap
13.	Usha Wodey	Usha
14.	Karim Kumar	Karim

15.	Neelu Singh	Neelu
16.	Broxima Khandekar	Broxima
17.	Raksha Sahu	Raksha
18.	Divy	Divy
19.	Abha Yadav	Abha
20.	Roshni Jaiswal	Roshni
21.	Jonah Kujur	Jonah
22.	Jyotish chhedam	Jyotish
23.	Abha Priyanka Kujur	Abha
24.	Bemlate Laksh	Bemlate
25.	Sudha Keiketta	Sudha
26.	Swati Lakra	Swati
27.	Greta Painkara	Greta
28.	Seeta Painkara	Seeta
29.	Rima Rathe	Rima
30.	Pooja Nismalkar	Pooja
31.	Annu Patel (K)	Annu
32.	Gandhya Sahu	Gandhya
33.	Sarita Patel	Sarita
34.	Sangeeta Kamas	Sangeeta
35.	Ashtikashyap	Ashtika
36.	Khushboo Patel	Khushboo
37.	Sabhya Khare	Sabhya
38.	Ashutosh Jori	Ashutosh
39.	Sujata Khasasay	Sujata
40.	Sachin Yadav	Sachin
41.	Pooja Dhanwan	Pooja
42.	Rajni Sahu	Rajni
43.	Vasika Yadav	Vasika
44.	Muskan Agrawal	Muskan
45.	Vipin Sharma	Vipin
46.	Gulshan Kumar Sahu	Gulshan
47.	Priya Tamboli	Priya

48	Jatika Yadav	Jatika
49	Sulachana Banjare	Sulachana
50	Nandani Jagad	Nandani
51	SALINTA TURKEY	SALINTA
52	TIJAN BANJARE	TIJAN
53	Sumita Jandan	Sumita
54	Punam Netam	Punam
55	Mahima Gendle	Mahima
56	Monika Divakar	Monika
57	Nikki Nismalkar	Nikki
58	RADHIKA SAHU	Radhika
59	PUSHPA KANWAR	Pushpa
60	MUSKAN BINDU TATUDAN	Muskan
61	Pooja Yadav	Pooja
62	Naveen Kumar	Naveen
63	Taran Patel	Taran
64	SURAJ KUMAR MAHTO	Suraj
65	VISHVANATH	Vishvanath
66	ZARIID DAS	Zariid
67	Manikant Sui	Manikant
68	Rakesh Kumar Patel	Rakesh
69	Jay Kumar Chowdhury	Jay
70	Parmendra Chaturvedi	Parmendra
71	Komesh PRASAD	Komesh
72	Nankant Gupta	Nankant
73	Rajesh Kumar	Rajesh
74	Neeta Sahu	Neeta
75	Bhakti Sahu	Bhakti

Rashmi

Suchita
15/01/2024

Day - 02

Page No.	YOUR
Date	

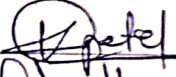
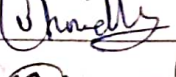
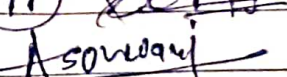
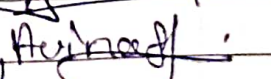
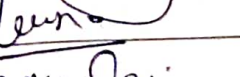
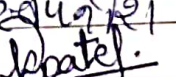
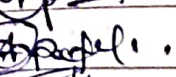
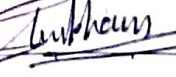
Date - 16/01/2024

Time - 10:00 am

Teacher Name - Mr. Shripalaksh Tiwari

Topic - संगीत (संस्कृत + गीत)

- भारतीय शास्त्रीय गायन के प्रकार
- वादन वाद्य के प्रकार
- नृत्य के प्रकार
- शास्त्रीय संगीत एवं लोक संगीत का परस्पर संबंध
- मुख्य वरिष्ठ पाठ्यक्रम में संगीत तत्व की उपयोगिता

Sr. No.	Name of Students	Signature
01.	Keshav Kashyap	
02.	Kamlesh Patel	
03.	Jay Kumar Choudhary	
04.	Paramendra Chaturvedi	
05.	Hitesh Kumar	
06.	Ashish Kumar Sonvani	
07.	Avinash Kumar	
08.	Bhupendra Nirmalcar	
09.	रायेश कोरने	
10.	Kunal Patel	
11.	Anurag Patel	
12.	Shubham Kangare	

Sr. No.	Name of students	Signature
13.	Rakesh Kumar Patel	Rakesh
14.	PRASHANT	Prashant
15.	Ashutosh Soni	Ashu
16.	Naveen Kumar	Naveen
17.	Tarun Kumar Patel	Tarun
18.	Gulshan Kumar Sahu	Gulshan
19.	Vipin Kumar Sharma	Vipin
20.	Yashwant Kumar	Yashwant
21.	Lakshy Maruti	Lakshy
22.	Amit Kumar Wathore	Amit
23.	Manoj Kumar Sahu	Manoj
24.	Chaitik Patel	Chaitik
25.	Shelchan Kumar Kaushik	Shelchan
26.	ROHAN SAHU	Rohan
27.	Komesh PRASAD	Komesh
28.	Naveen Gupta	Naveen
29.	Manikant Sai	Manikant
30.	Ashok Sonawani	Ashok
31.	Pranav Kumar	Pranav
32.	Zaid Des	Zaid
33.	VISHVANATH	Vishvanath
34.	Shubham Nirmalkar	Shubham
35.	Sachin Yadav	Sachin
36.	Ritesh	Ritesh
37.	Kirti Tikariya	Kirti
38.	Sarita Patel	Sarita
39.	Harshita Naik	Harshita
40.	Annu Patel	Annu
41.	Annu Patel	Annu
42.	Rim9 Ratne	Ratne

Sr. No.	Name of students	Signature
43.	Sumanda Singh	Sumanda
44.	AKANKSHA AMANT	Akanksha
45.	Jonah Kujur	Jonah
46.	Jyotish Chhedam	Jyotish
47.	Abha Yadav	Abha
48.	Roshni Jaiswal	Roshni
49.	Raksha Sahu	Raksha
50.	Divya	Divya
51.	Usha Pandey	Usha
52.	Anjali Toppe	Anjali
53.	Sulechana Banjare	Sulechana
54.	Karun Kumar	Karun
55.	Gargi Khandekar	Gargi
56.	Neelu Singh	Neelu
57.	Bharti Sahu	Bharti
58.	Neeta Sahu	Neeta
59.	KIRAN PAI	Kiran
60.	TIJAN BANJARE	Tijan
61.	Mahima Gendle	Mahima
62.	Punam Netam	Punam
63.	Varsha Yadav	Varsha
64.	Rajeev Sahu	Rajeev
65.	Kushboo Patel	Kushboo
66.	Pooja Nigam	Pooja
67.	Sujata Kharsay	Sujata
68.	Sabhyta Kharsay	Sabhyta
69.	Sangeeta Kanwar	Sangeeta
70.	Arati Kashyap	Arati
71.	Pallavi Dahoria	Pallavi
72.	Prmlata Lakre	Prmlata

Sro No.	Name of Students	Signature
73.	Swati Lakra	Swati
74.	Sudha Kerketta	Kerketta
75.	Abha Priyanka Kujur	Kujur
76.	Sumita Jandan	Jandan
77.	Pushpalata Ratre	Ratre
78.	Ritu Chaturvedi	Ritu
79.	Muskan bindu Jandan	Muskan
80.	Nikki Narmalkar	Nikki
81.	RADHIKA SAHU	Radhika
82.	PRIYA PATEL	Paul
83.	NANDANI JAGAIT	Nandani
84.	Jatika Yadav	Jadav
85.	Priya Tambali	P Tambali
86.	Rohit Kumar	Rohit
87.	Aachar Tricey	Aachar
88.	Neha Yadav	Neha
89.	Sanjana Dubey	Sanjana
90.	Upasana Chaturvedi	Upasana
91.	Veena Behua	Behua
92.	Ashish Nayak	Ashish
93.	Muskan Shiv	Muskan
94.	Rakhi Patel	Rakhi
95.	Sonam Singh	Sonam
96.	Vaishnavi Anand	Vaishnavi

R. Singh

Upasana
16/01/2024

Day - 03

Date - 17/01/2024

Time - 10:00 Pm

Teacher Name - Mrs. Urvashi Mishra

Topic - अंग्रेजी संगीत
संगीत संगीत पद्धतियाँ

अंग्रेजी संगीत

संगीत का छोटा नाम

संगीत की गीतियाँ

प्रसिद्ध संगीतकार

लिखित ताल - गहरा, तीव्र, मध्यम

देखा, लपक

वाद्ययंत्र - तबला, सारंगी

Sr No.	Name of Students	Signature
01.	Roshni Jaiswal	R Jaiswal
02.	Abha Yadav	Abha
03.	Sumande Singh	Singh
04.	Sumita Jandari	Jandari
05.	Tijana Bhanu	Bhanu
06.	Sulochana Bhanu	Bhanu
07.	Usha Yadav	Usha
08.	Neelu Singh	Singh
09.	Garima Khandekar	Garima
10.	Anjali Toppo	Anjali
11.	Nandani Jagat	Nandani

(12)	Khushboo Patel	Sakshi
(13)	Sabhya Chare	Poo
(14)	Raksha Sahu	Pallavi
(15)	Pallavi Adhikari	Shruti
(16)	Chiranjeevi Kure	Shruti
(17)	Vaishali Yadav	Shruti
(18)	Pooja Choudhary	Shruti
(19)	Prachi Agrawal	Shruti
(20)	Rajni Sahu	Shruti
(21)	Annu Patel	Shruti
(22)	Chandani Gaurhede	Shruti
(23)	Rima Ratre	Shruti
(24)	Sarita Patel	Shruti
(25)	SANDEEP SAHU	Shruti
(26)	Ana Patel	Shruti
(27)	Pooja Ajmalakar	Shruti
(28)	Longesta Jandani	Shruti
(29)	Karti Choudhary	Shruti
(30)	Divya	Shruti
(31)	Greta Pankar	Shruti
(32)	Seeta Pankar	Shruti
(33)	Hanshika Naik	Shruti
(34)	Premalata Laksh	Shruti
(35)	Abha Poojankar Kujur	Shruti
(36)	Akanksha Anant	Shruti
(37)	Jyotishi chhadam	Shruti
(38)	Priya Patel	Shruti
(39)	Pushpa Kanwar	Shruti
(40)	Nikki Nirmalkar	Shruti
(41)	Radhika Sahu	Shruti
(42)	Muskan bindu Jandan	Shruti
(43)	Ritu Chaturvedi	Shruti
(44)	Salinita Tiskay	Shruti

45	Yulika Yadav	Shruti
46	Buya Tamboli	Pramila
47	Mahima Grendle	Pamila
48	Punam Netam	Punam
49	Vishwanath	Vadap
50	Panun Kumar. Patil	Panun
51	Ashok S. S. S.	Panun
52	Sachin Yadav	Panun
53	Naveen	Panun
54	Surya Kumar. Nallu	Panun
55	Yashwanth Kumar	Panun
56	Yashwanth Kumar	Panun
57	Shakti Kumar. Koushik	Panun
58	Premendra Chatur	Panun
59	Shubham Narmalkar	Panun
60	Anirudh	Panun
61	Mynikant S.	Panun
62	Shounjay Kumar	Panun
63	Kamesh Pansal	Panun
64	Ritesh	Panun
65	R. T. Ramesh Patel	Panun
66	Keran Kaman	Panun
67	Kamlesh Patel	Panun
68	Jeshav Kachap	Panun
69	Shubham Kangere	Panun
70	Neeta Sahu	Panun
71	Bhasti Sahu	Panun
72	Mukesh Komce. 1301	Panun
73	ANANT KUMAR SAHU	Panun
74	Yogita Sahu	Panun
75	Sasithak Rathore	Panun
76	Anant Kumar	Panun

S.No

Name of Student

Sign

(78)	Kunal Patel	Kunal Patel
(79)	Kiran Kumar	Kiran Kumar
(80)	Deepi Khatke	Deepi Khatke
(81)	Madhvi Patel	Madhvi Patel
(82)	Praneshwar Nila	Praneshwar Nila
(83)	Garima Kharkhan	Garima Kharkhan
(84)	Shraddha Yadav	Shraddha Yadav
(85)	Shraddha Yadav	Shraddha Yadav
(86)	Kiran Patel	Kiran Patel
(87)	Roshni Sahu	Roshni Sahu
(88)	Zainab DAs	Zainab DAs
(89)	Swati Lakra	Swati Lakra
(90)	Sudha Kerketta	Sudha Kerketta
(91)	Sujata Kharkhan	Sujata Kharkhan
(92)	Sabhya Kharkhan	Sabhya Kharkhan
(93)	Ujjwala Yadav	Ujjwala Yadav
(94)	Shalini Saha	Shalini Saha
(95)	Anjali Bhargava	Anjali Bhargava
(96)	Jyoti Kujur	Jyoti Kujur
97	PRASHANT	PRASHANT
98	ROHAN SAHU	ROHAN SAHU
	Rajesh Kumar	Rajesh Kumar
	Aniradh Kumar Datta	Aniradh Kumar Datta

Day - 04

Date - 18/01/2024

Time - 10:00 am

Topic - Teacher Name - Mrs. Suchitra Dey.

Topic -

Sr No	Name of Student	Sign.
1)	NIKKI Nimmalkar	Nikki
2)	Priya Patel	Pam
3)	Kamlesh Patel	Kamlesh
4)	Keshav Kashyap	Kam
5)	Shubheem Kangade	Shubham
6)	Neeta Sahu	Neeta
7)	Bhasti Sahu	Basti
8)	Ritu Chaturvedi	Ritu
9)	Radhika Sahu	Radhika
10)	MUSKAN BINDU TANDAN	Muskan
11)	Mukesh Komal Sony	M. Sony
12)	Priya Tambeli	P. Tambeli
13)	Manoj Kumari Sahu	Manoj

SNo.	Name of Student-	Sign
14)	Jyoti Sahu	<u>Jyoti</u>
15)	Sasithak Rathore	<u>Sasithak</u>
16	Amit Kumar	<u>Amit</u>
17	SALINTA TIRKEY	<u>Salinta</u>
18	Pushpa Kanwar	<u>Pushpa</u>
19	Punam Netam	<u>Punam</u>
20	Mahima Gendle	<u>Mahima</u>
21	Sulochana Banjare	<u>Sulochana</u>
22	Jyotika Yadav	<u>Jyotika</u>
23	Nandani Jagat	<u>Nandani</u>
24	Avinash Kumar	<u>Avinash</u>
25	Kunal Patel	<u>Kunal</u>
26	Kiran Kumar	<u>Kiran</u>
27	Karan Kumar	<u>Karan</u>
28	Preeti Patre	<u>Preeti</u>
29	Neelu Singh	<u>Neelu</u>
30	Naitik Patel	<u>Naitik</u>
31)	Gurima Khadkar	<u>Gurima</u>
32)	Blumechuan Hir	<u>Blumechuan</u>
33)	Shradha Yadav	<u>Shradha</u>
34)	Samita Bhandari	<u>Samita</u>
35)	Shashi Misi	<u>Shashi</u>
36)	Tisha Banjare	<u>Tisha</u>
37)	Kiran Lal	<u>Kiran</u>
38)	Roshni Sahu	<u>Roshni</u>
39	Susay Kumar Mahto	<u>Susay</u>
40	Priyanshi Korse	<u>Priyanshi</u>
41	ZANID DAS	<u>ZANID</u>
42	NAVEANT KURTA	<u>Naveant</u>

SNo.	Name of Students	Sign
43	Pooja Dhiwan	<u>Dhiwan</u>
44	Khushboo Patel	<u>Khushboo</u>
45	Swati Lakar	<u>Swati</u>
46	Jyotish Chhedam	<u>Jyotish</u>
47	Roshni Jaiswal	<u>Roshni</u>
48	Sudha Kerketta	<u>Sudha</u>
49	Aisha Priyanka Kujur	<u>Aisha</u>
50	Akanksha Anant	<u>Akanksha</u>
51	Sabhya Khare	<u>Sabhya</u>
52	Sujata Kharsay	<u>Sujata</u>
53	Vansha Yadav	<u>Vansha</u>
54	Rajnee Sahu	<u>Rajnee</u>
55	Muskan Agrawal	<u>Muskan</u>
56	Gulshan Sahu	<u>Gulshan</u>
57	Anjali Bhangara	<u>Anjali</u>
58	Divya	<u>Divya</u>
59	Pallavi Dahasia	<u>Pallavi</u>
60	Aarti Kashyap	<u>Aarti</u>
61	Raksha Sahu	<u>Raksha</u>
62	Jonak Kujur	<u>Jonak</u>
63	Sachin Yadav	<u>Sachin</u>
64	PRASHANT	<u>Prashant</u>
65	POHANI SAHU	<u>Pohani</u>
66	Manikant Saini	<u>Manikant</u>
67	Shikhar Kaushik	<u>Shikhar</u>
68	Balraj Kumar Patel	<u>Balraj</u>
69	Rajesh Kumar	<u>Rajesh</u>
70	DHANANJAY KUMAR	<u>Dhananjay</u>
71	Anirudh Kumar Dhaka	<u>Anirudh</u>

18/01/2024

S.No.	Name of Student	Sign
70	Ashok Sonuani	<u>Ashok</u>
71	VI'SHVANATH	<u>Vidhey</u>
72	Naveen Kumar	<u>Naveen</u>
73	Tarun Kumar Patel	<u>Tarun</u>
74	Ashutosh Soni	<u>Ashu</u>
75	Dohit Kumar	<u>Dohit</u>
76	Ashish Nayak	<u>Ashish</u>
77	Aanchal Tirkey	<u>Aanchal</u>
78	Muskan Shiv	<u>Muskan</u>
79	Neha Yadav	<u>Neha</u>
80	Vaishnavi Anand	<u>Vaishnavi</u>
81	Sanjana Dubey	<u>Sanjana</u>
82	Upasana Dhritakhe	<u>Upasana</u>
83	Veena Behra	<u>Veena</u>
84	Shrishi Sahu	<u>Sahu</u>
85	Somam Singh	<u>Somam</u>
86	Kirti Tikariya	<u>Kirti</u>
87	Pima Ratre	<u>Pima</u>
88	Sarita Patel	<u>Sarita</u>
89	Greeta Pankaj	<u>Greeta</u>
90	Seeta Pankaj	<u>Seeta</u>
91	Rakhee Patel	<u>Rakhee</u>
92	Kavul Dukkani	<u>Kavul</u>
93	Aruna	<u>Aruna</u>
94	Jay Kumar Choudhary	<u>Jay</u>
95	Hemant Kumar	<u>Hemant</u>
96	Deepak Yadav	<u>Deepak</u>
97	Poojanka Teetwar	<u>Poojanka</u>
98	Chandan Gajbharde	<u>Chandan</u>

R.S.

Day - 05

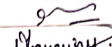
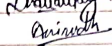
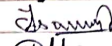
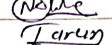
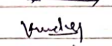
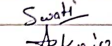
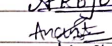
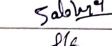
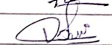
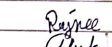
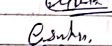
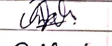
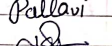
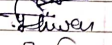
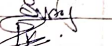
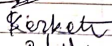
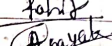
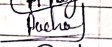
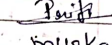
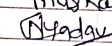
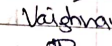
Date - 19/01/2024

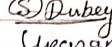
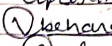
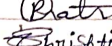
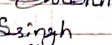
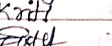
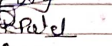
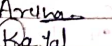
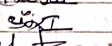
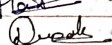
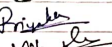
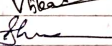
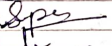
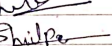
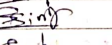
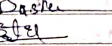
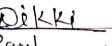
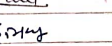
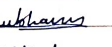
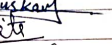
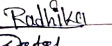
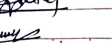
Time - 10:00 am

Teacher Name - Mrs. Suchitra Day

Topic -

S.N.	Name of Students	Sign.
1	Rishabh Sori	<u>A Sori</u>
2.	Raksha Sahu	<u>Rakha</u>
3.	Jonah. Kujur	<u>Jonah</u>
4.	Roshni Jaiswal	<u>R Jaiswal</u>
5.	Sachin yadav	<u>S yadav</u>
6	Iyobish Chelam	<u>I Chelam</u>
7	Zaid Das	<u>Zaid</u>
8	Nankant Gupta	<u>N Gupta</u>
9	PRASHANT	<u>P</u>
10	ROHAM SAHU	<u>R Sahu</u>
11	Manikant Sai	<u>M Sai</u>
12.	Shikhar Karsik	<u>S Karsik</u>
13	Rakesh Kumar Patel	<u>R Patel</u>
14	Divya	<u>D</u>

Page No. _____ Date: _____			YOUVA		
S.No.	Name of Student	Sign.			
15	Rajesh Kumar				
16	DHANANJAY KUMAR				
17	Anirudh Kumar Dhaka				
18	Ashok Sonawani				
19	Naveen Kumar				
20	Tarun Kumar Patel				
21	VISHVAMITH				
22	Swati Lokra				
23	Abha Priyankakujar				
24	Akanksha Avant				
25	Sabhya Khare				
26	Sujata Khosaroy				
27	Varsha Yodav				
28	Ramesh Sahy				
29	Muskan Agrawal				
30	Gurbbun Sahy				
31	Anjali Phargava				
32	Pallavi Dabaria				
33	Krushab Patel				
34	Pooja Dhiwan				
35	Sanjay Kumar Mukta				
36	Priyanka Kere				
37	Sudha Kerketta				
38	Rohit Kumar				
39	Ashish Alayak				
40	Rancho Tikkey				
41	Pooja Nirmal				
42	Muskan Shiv				
43	Neha Yadav				
44	Veishnavi Anand				
45	Greeta Patil				

Page No. _____ Date: _____			YOUVA		
S.No.	Name of Student	Sign.			
46	Sanjana Dabey				
47	Upasana Dhrifalake				
48	Veena Behari				
49	Rima Ratre				
50	Shrishi Zahu				
51	Sonam Singh				
52	Kriti Tikaria				
53	Sanita Patel				
54	Rakhi Patel				
55	Aruna				
56	Katal Dubadani				
57	Seeta Pankora				
58	Hemant Kumar				
59	DIREPAK YADAV				
60	Priyanka Jatwar				
61	Vikas Patel				
62	Shrishti Hake				
63	SHILPA PRADAPARE				
64	Chandan Chaudhade				
65	Shilpa Prasad				
66	Saman Singh				
67	MANISHA SAHU				
68	Annu Patel				
69	NIKKI NISMALKAR				
70	Pooja Patel				
71	SALINTA TIRKEY				
72	SHUBHAM KANGARE				
73	MUSKAN BINDU TANDAN				
74	Ritu Chaturvedi				
75	RADHIKA SAHU				
76	KAMLESH PATEL				
77	Keshav Kashyap				

78 Pushpa Kanwar

Pushpa

S.No.	Name of Student	Sign
-------	-----------------	------

78	Pushpa Kanwar	Pushpa
79	Mukesh Kumar Sani	M. Sani
80	Jagdeep Sahu	J. Sahu
81	Priya Tamboli	P. Tamboli
82	Amit Kumar	A. Kumar
83	Manoj Kumar Sahu	M. Sahu
84	Saanthak Rathore	S. Rathore
85	Jatika Yadav	J. Yadav
86	Nandani Jagat	N. Jagat
87	Sulochana Banjari	S. Banjari
88	Bhasti Sahu	B. Sahu
89	Mahima Grendle	M. Grendle
90	Punam Nehru	P. Nehru
91	Meeta Sahu	M. Sahu
92	Jay Kumar Choudhary	J. Choudhary
93	Smriti Mishra	S. Mishra
94	Shradha Yadav	S. Yadav
95	Avinash Kumar	A. Kumar
96	Samita Jandan	S. Jandan
97	Roshani Sahu	R. Sahu
98	Kishan Pal	K. Pal

R. Singh

Sudhita
19/01/2024

Day - 06

Page No.	YOUVA
Date	

Date - 22/01/2024

Time - 02:00 pm To 03:30 pm

Teacher Name - Mrs. Urvashi Mishra

Topic - Distribution of Value
Added course certificate

S.No.	Name of Student	Sign.
01	Shradha Yadav	Shradha
02	Snashi mizi	Snashi
03	Sumita Jordan	Jordan
04	Bhumeswar Nir	Nir
05	Garima Khandekar	Garima
06	Tijah benjare	Tijah
07	Neelu Singh	Neelu
08	Usha Godey	Usha
09	Anyali Toppo	Anyali
10	Kunal Patel	Kunal Patel
11	Karan Kumar	Karan

12	Naitik Patel	Naitik
13	Kiran Kumar	Kiran
14	Prachi Patil	Prachi
15	Anirudh Kumar	Anirudh
16	Roshni Sahy	Roshni
17	Kiran Patel	Kiran
18	Krushab Patel	Krushab
19	Pooja Dhiwan	Pooja
20	Prigathi Kuree	Prigathi
21	VISHVANATH	Vishvanath
22	Anjali Bhargava	Anjali
23	Naveen Kumar	Naveen
24	Pallavi Dhanasia	Pallavi
25	Muskan Agrawal	Muskan
26	Gulshan Sahu	Gulshan
27	Sujata Kharsay	Sujata
28	Sabha Kharp	Sabha
29	Vansha Yadav	Vansha
30	Rajnee Sahu	Rajnee
31	Anantika Anant	Anantika
32	Abha Priyanka Kujur	Abha
33	Sudha Kerketty	Sudha
34	Swati Lakra	Swati
35	Sachin Yadav	Sachin
36	Achutosh Jami	Achutosh
37	Raksha Sahu	Raksha
38	Divya	Divya
39	Aakash Kumar Patel	Aakash
40	Roshni Jaiswal	Roshni
41	Jyoti Chhokar	Jyoti
42	ZANID DAS	Zanid
43	Naveen Kujur	Naveen
44	POHAN SARM	Pohan

45	Aaradi Kashyap	Aaradi
46	Manikant Sen	Manikant
47	Tarun K. Patel	Tarun
48	Shelchar Kumar Kaushik	Shelchar
49	PRASHANT	Prashant
50	Susag Kumar Mahto	Susag
51	Ashok Sonawari	Ashok
52	Anirudh Kumar Dhaka	Anirudh
53	DHANANJAY KUMAR	Dhananjay
54	Jonah Kujur	Jonah
55	Nikki Nirmalkar	Nikki
56	Priya Patel	Priya
57	Keshav Kashyap	Keshav
58	KAMLESH PATEL	Kamlesh
59	Ritu Chaturvedi	Ritu
60	Jagita Sahu	Jagita
61	Priya Tamboli	Priya
62	MANOJ KUMAR SAHU	Manoj
63	Rohit Kumar	Rohit
64	Ashish Nayak	Ashish
65	Anchal Tirkey	Anchal
66	Mukesh Kumar Soni	Mukesh
67	Muskan Bindu Jandan	Muskan
68	Neha Yadav	Neha
69	Vaishnavi Yadav	Vaishnavi
70	Sanjana Dubey	Sanjana
71	Shubham Kargade	Shubham
72	Upashra Dhritha Rao	Upashra
73	Veena Behara	Veena
74	Salents Tirkey	Salents
75	Shrishi Sahu	Shrishi
76	SONAM SIGHT	Sonam
77	Kirti Kirtee Tikaria	Kirti

S.No.

Name of Student

Sign

(78)

RADHIKA SAHU

Radhika

(79)

Rakhi Patel

Rakhi

80

Pushpa Kumari

Pushpa

81

Kajal Duhalani

K. Duhalani

82

Neeta Sahu

N. Sahu

83

ARUNA

Aruna

84

Punam Netam

Punam

85

Hemant Kumar

Hemant

86

Mahima Grendle

Mahima

87

DEEPAK YAVA YADAW

DEEPAK

88

Jalika Yadav

Jalika

89

Amit Kumar

Amit

90

Priyanka Jatwar

Priyanka

91

Nandani Jagad

Nandani

92

Vikash Patel

Vikash

93

Sulochana Brijwar

Sulochana

94

Srishti Hocke

Srishti

95

Shikha Brijwar

Shikha

96

Manisha Sahel

Manisha

97

Bhashti Sahu

Bhashti

98

Mamta Kashyap

Mamta

R. Singh

22-01-2021